Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 225
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार,15 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 राज्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा
4 गर्मियों में चेहरे की चमक बढ़ाने के लिए अपनाएं ये
7 हंसिका के तलाक पर मुस्कान ने किया तंज

कोलकाता में पीएम मोदी की हुंकार

बंगाल से महाजंगलराज का होगा खात्मा, बदलाव दीवारों पर लिखा जा चुका

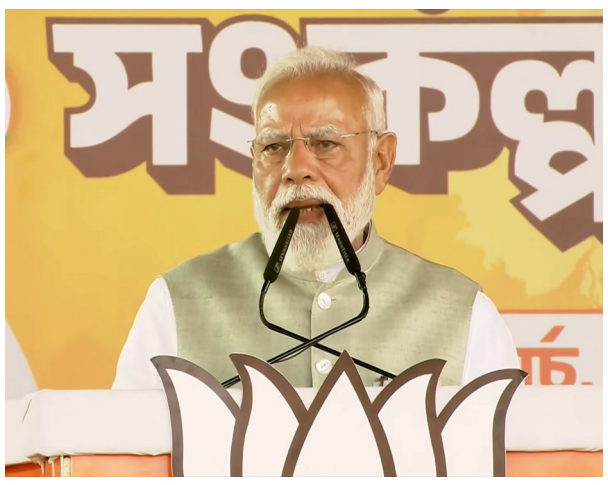

कोलकाता (एजेंसी)। पीएम मोदी ने कोलकाता में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज कोलकाता की धरती से पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत के विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। सड़क, रेलवे और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इस दौरान पीएम मोदी ने टीएमसी सरकार पर हमला भी बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल में बदलाव अब दीवारों पर भी लिखा जा चुका है और लोगों के दिलों में भी छप चुका है। अब बंगाल से निर्मम सरकार का अंत होकर रहेगा. अब बंगाल से महाजंगलराज का खात्मा होगा। पीएम ने कहा, ये प्रोजेक्ट पश्चिम बंगाल और पूर्वी भारत को नई रफ्तार देंगे, इनसे व्यापार और उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, लाखों लोगों का जीवन आसान होगा, उन्हें नए अवसर मिलेंगे। आज देश में रेलवे को आधुनिक बनाने का तेज अभियान चल रहा है। हमारा ये संकल्प है कि पश्चिम बंगाल इस अभियान में पीछे न रहे.इसीलिए केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर का भी तेजी से विस्तार कर रही है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने अपने संबोधन में ममता सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल में महाजंगलराज खत्म होगा, बदलाव अब दीवारों पर लिख चुका है। उन्होंने कहा कि निर्मन सरकार कुर्सी जाते देख बोखला गई है। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार परिवर्तन को रोक नहीं पाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि एक बार फिर से बंगाल में कानून का राज होगा। उन्होंने कहा कि टीएमसी के किसी भी अत्याचारी को छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि निर्मम सरकार का काउंटडाउन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि बंगाल से जंगलराज खत्म होकर ही रहेगा। उन्होंने कहा कि नए बंगाल की क्रांति का बिगुल बज चुका है। उन्होंने कहा कि बंगाल के विकास में बीजेपी दिन रात लगी है। उन्होंने कहा की निर्मम सरकार रैली में जनसैलाब को रोक नहीं पाई। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब बंगाल में कानून का राज लौटेगा। उन्होंने कहा कि कानून तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, और टीएमसी के अत्याचारों को भी नहीं बख्शा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह निर्दयी सरकार चाहे जितनी भी कोशिश कर ले, बदलाव की इस आंधी को रोक नहीं पाएगी। पीएम मोदी ने कहा कि आज भी इस सभा को रोकने के लिए निर्मम सरकार ने सारे हथियार निकाल लिए। आप लोगों को आने से रोकने के लिए ब्रिज बंद करवा दिए, गाड़ियां रुकवा दी, ट्रैफिक जाम करवाया, भाजपा के झंडे उखड़वा दिए, पोस्टर फड़वा दिए। लेकिन निर्मम सरकार साफ-साफ देख लो, आज के जनसैलाब को रोक नहीं पाई हो। पीएम ने कहा कि कल ज्डबने इस रैली में आने वाले आप सभी लोगों को चोर कहकर गाली दी है। असली चोर कौन है, ये बंगाल की प्रबुद्ध जनता जानती है उन्होंने कहा कि अपनी कुर्सी जाते हुए देखकर यहां की निर्मम सरकार बौखला गई है।

पांचवे दिन ध्वनिमत से 1.11 लाख करोड़ का बजट पारित

सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

भराड़ीसैंण(चमोली) (एजेंसी)। शुक्रवार को सदन में बजट पर चर्चा की गई। सत्ता पक्ष ने बजट को विकसित उत्तराखंड 2047 के संकल्प और सभी वर्गों को पूरा करने वाला बताया। वहीं, विपक्ष ने इसे निराशाजनक बताते हुए कहा कि इसमें आम जन के लिए कुछ नहीं है। गैरसैंण में आयोजित विधानसभा सत्र पांचवे दिन देर रात 12:30 बजे तक चला। इस दौरान धामी सरकार ने एक लाख करोड़ से ज्यादा का बजट पारित किया। इसके बाद सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। सीएम धामी ने सोमवार को विधानसभा सत्र के पहले दिन वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 111703.21 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। वर्तमान वित्तीय वर्ष की तुलना में इस बजट के आकार में 10.41 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। बजट में सरकार ने आत्मनिर्भर व विकसित उत्तराखंड के संकल्प को पूरा करने के लिए ज्ञान व संतुलन का मंत्र दिया। यह पहला मौका है जब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सदन में वित्त मंत्री के रूप में अपनी सरकार का बजट पेश किया था। सरकार को नए वित्तीय वर्ष में 111703.21 करोड़ का राजस्व प्राप्त होने का अनुमान है। इसमें 67525.77 करोड़ राजस्व प्राप्तियों व 42617.35 करोड़ पूंजीगत प्राप्तियों का योगदान शामिल होगा। कर मुक्त बजट में राजस्व घाटे का अनुमान नहीं है। वहीं, 12579.70 करोड़ राजकोषीय घाटा होने का अनुमान लगाया गया है।

'बेहद जटिल स्थिति से निपट रहे, ऊर्जा सुरक्षा प्राथमिकता', प. एशिया संकट पर विदेश मंत्रालय के अहम अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच शनिवार को भारत ने सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति और सामान के निर्बाध आवागमन की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा है कि स्थिति बेहद जटिल है। विदेश मंत्रालय ने क्या कहा? इस संकट पर एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से भारत लगातार संवाद और तनाव कम करने की अपील करता रहा है। उन्होंने भारत की प्राथमिकताओं पर जोर देते हुए कहा कि सामान और ऊर्जा की आपूर्ति निर्बाध जारी रहनी चाहिए और नागरिक ढांचे, खासकर ऊर्जा से जुड़ी सुविधाओं पर हमले से बचना चाहिए। 'माल और उर्जा का निर्बाध पारगमन सुनिश्चित करना प्राथमिकता' प्रवक्ता ने कहा, भारत ने लगातार जोर दिया है कि माल और उर्जा के निर्बाध पारगम को सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकताओं में से एक रहा है। हमने पूरे क्षेत्र में उर्जा सहित नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने से बचने का भी आह्वान किया है। हमारा मानना है कि वैश्विक समुदाय के एक बड़े हिस्से की भी यही प्राथमिकताएं हैं। जायसवाल ने कहा, संघर्ष का प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है। हमने खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्यों, ईरान, अमेरिका और इस्राइल सहित सभी पक्षों से वाताकारों के जरिये विभिन्न राजनीतिक और राजनयिक स्तरों पर संपर्क बनाए रखा है, ताकि उनके बातचीत की जा सके और अपनी प्राथमिकताओं पर जोर दिया जा सके, खासकर उर्जा सुरक्षा से जुड़ी प्राथमिकता। जायसवाल ने कहा, प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में अपने समकक्षों से बात की है। पिछले कुछ दिनों में विदेश मंत्री और हमारे दूतावास भी अपने वाताकारों के साथ लगातार संपर्क में रहे हैं। इस प्रक्रिया में जहाजरानी (शिपिंग) कंपनियों जैसे अन्य प्रमुख हितधारकों की चिंताओं को भी संबोधित करना पड़ा है।

मोगा बीजेपी रैली में केसरिया पगड़ी पहनकर पहुंचे अमित शाह

कहा, हिंदू-सिख एकता पंजाब की प्रगति की आधारशिला

बठिंडा (एजेंसी)। वरिष्ठ भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को मोगा में आयोजित पार्टी की बदलाव रैली में केसरिया पगड़ी पहनकर पहुंचे। राज्य में पार्टी की मौजूदगी मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित इस रैली में बड़ी संख्या में पार्टी नेता और समर्थक जुटे। उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल, वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह और भारत माता की जय से की। नानकशाही कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरूआत के महत्व का जिक्र करते हुए शाह ने अपनी केसरिया पगड़ी के प्रतीकात्मक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह आस्था का प्रतीक है और सिख गुरुओं की शिक्षाओं को नमन करता है। उन्होंने

मीडिया कर्मियों से भी आग्रह किया कि वे कार्यक्रम के दौरान जनता के दृश्य में बाधा न बनें। समर्थकों को संबोधित करते हुए शाह ने 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार बनाने के लिए विजय संकल्प लेने की अपील की। भीड़ में वंदे मातरम् के नारों के बीच उन्होंने लोगों से हाथ उठाकर समर्थन देने का आान किया और इसे राज्य के लिए एक परिवर्तनकारी राजनीतिक यात्रा की शुरूआत बताया। कार्यकताओं और समर्थकों की मौजूदगी वाली इस रैली में देशभक्ति का उत्साह और पंजाब की सांस्कृतिक-धार्मिक विरासत के प्रतीकात्मक संदर्भ देखने को मिले। पारंपरिक सिख और राष्ट्रीय नारों के साथ भाषण की शुरूआत कर शाह ने सांस्कृतिक गौरव और राजनीतिक लामबंदी दोनों को मजबूत करने की कोशिश की। सिख गुरुओं की पवित्र विरासत का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि भाजपा ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान में स्थित सिख तीर्थस्थलों की सुरक्षा के लिए लगातार कदम उठाए हैं। उन्होंने करतारपुर साहिब कॉरिडोर का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा के संकल्प के कारण ही श्रद्धालुओं के लिए यह तीर्थ यात्रा संभव हो सकी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि स्वतंत्रता के समय भाजपा सत्ता में होती तो करतारपुर भारत का हिस्सा होता। शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने श्री अकाल तख्त पर हमले की साजिश रची और हिंदू-सिख समुदायों के बीच खाई पैदा की। उन्होंने राज्य में कथित धार्मिक संकट का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने पर जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कड़ा कानून लाया जाएगा।

उदयपुर टेम्पो हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 3, मुआवजे और नौकरी की मांग को लेकर ग्रामीणों का महापड़ाव

उदयपुर (एजेंसी)। जिले के गोगुन्दा थाना क्षेत्र में शुक्रवार शाम को हुआ भीषण टेम्पो हादसा अब एक बड़े जनांदोलन में बदल गया है। इस हादसे में घायल एक और व्यक्ति की मौत के साथ ही कुल मृतकों की संख्या तीन हो गई है। न्याय की मांग को लेकर शनिवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने उपखण्ड कार्यालय का घेराव किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार सुआवतों का गुडा निवासी मोहब्बत सिंह गंभीर रूप से घायल थे। उन्हें उदयपुर के महाराणा भूपाल चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था लेकिन शनिवार को इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इससे पहले शुक्रवार को मौके पर ही भोपाल सिंह और राम सिंह राजपूत की मौत हो गई थी। यह घटना सायरा तहसील के सुआवतों का गुडा गांव से जुड़ी है। गांव का बिजली ट्रांसफार्मर खराब हो गया था जिसे बदलने के लिए पांच ग्रामीण एक टेम्पो में उसे लादकर गोगुन्दा स्थित बिजली विभाग (एवीएनएल) के कार्यालय ले जा रहे थे। रास्ते में राव मादडा के पास टेम्पो अनियंत्रित होकर एक गहरे गड्ढे में गिर गया जिससे यह चीख-पुकार मच गई। शनिवार को हादसे की खबर फैलते ही सुआवतों का गुडा और आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में एकत्र हुए और गोगुन्दा उपखण्ड कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए।

महिला आयोग के सामने नहीं पहुंचे रैपर बादशाह, गिरफ्तारी के निर्देश

पानीपत (एजेंसी)। हरियाणा में टटीरी गीत के रैप वर्जन को लेकर शुरू हुआ विवाद अब और गहरा गया है। इस मामले में हरियाणा राज्य महिला आयोग ने सिंगर और रैपर बादशाह के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए उनकी गिरफ्तारी के निर्देश जारी कर दिए हैं। आयोग ने साथ ही पंचकूला और पानीपत के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को बादशाह का पासपोर्ट जब्त करने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि वह देश छोड़कर बाहर न जा सकें। यह कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि आयोग द्वारा जारी नोटिस के बावजूद बादशाह तय तारीख पर व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हुए। महिला आयोग ने टटीरी गीत के रैप वर्जन में इस्तेमाल किए गए आपत्तिजनक शब्दों और वीडियो में छात्राओं के चित्रण को लेकर 6 मार्च को नोटिस जारी किया था। नोटिस में बादशाह को 13 मार्च को आयोग के सामने पेश होकर अपना पक्ष रखने के लिए कहा गया था।

'अलोकतांत्रिक प्रक्रिया की लोकतंत्र में कोई जगह नहीं'

वांगचुक की हिरासत रद्द होने पर बोले थरूर

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने के फैसले पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है और सुप्रीम कोर्ट से बिना मुकदमे के हिरासत की अधिकतम अवधि को लेकर मानदंड तय करने की अपील की है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सोनम वांगचुक ने बिना मुकदमे के अनिश्चितकालीन हिरासत अवधि की आलोचना की और इसे औपनिवेशिक युग की अलोकतांत्रिक प्रथा बताया। थरूर ने एनएसए कानून की आलोचना की शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा, 'मुझे खुशी है कि केंद्र सरकार ने सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द कर दी है, लेकिन 169 दिन का समय बहुत लंबा लगता है। सर्वोच्च न्यायालय को बिना मुकदमे के अधिकतम हिरासत की अवधि के लिए सख्त मानदंड बनाने की जरूरत है। अनिश्चितकालीन हिरासत औपनिवेशिक काल से चली आ रही एक अलोकतांत्रिक प्रथा है। एक परिपक्व लोकतंत्र में इसकी कोई जगह नहीं।' गृह मंत्रालय की सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द करने का फैसला किया गृह मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का फैसला किया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि सरकार लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक और सार्थक बातचीत की जा सके।

इन्ही हरकतों की वजह से कांग्रेस सत्ता से दूर है राहुल गांधी पर जमकर बरसे सीएम मोहन

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान की कठोर शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा है कि वैश्विक स्तर पर युद्ध के हालातों के बीच राहुल गांधी को सच्चाई समझनी चाहिए। राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हल्की भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। जनता सब समझ रही है। इन्हीं हरकतों की वजह से कांग्रेस सत्ता से लगातार दूर बनी हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ईरान-अमेरिका-इजराइल युद्ध से वैश्विक हालात गंभीर बने हुए हैं। हमारे एशिया के नजदीक घट

रही घटनाओं के बीच दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के सबसे बड़े पद पर आसीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए राहुल गांधी जिस प्रकार से हल्की भाषा बोलते हैं, मैं उनकी निंदा करता हूं। जब पूरा विश्व इन हालातों से जूझ रहा है, उसके बीच भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गैस सिलेंडर और तेल का बेहतर प्रबंधन कर रही है। भारत सरकार युद्ध की चुनौती के बीच तेल के जहाज निकालकर लाई है और सुव्यवस्था स्थापित की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस और कांग्रेस के नेता जिस प्रकार से षडयंत्र कर रहे हैं, उसे जनता जानती है। इसी कारण से ये लगातार सत्ता से दूर हैं।

दिल्ली आबकारी नीति केस में बरी होने के बाद केजरीवाल और सिसोदिया ने जमा किए 50 हजार रुपये के जमानत बांड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली आबकारी नीति मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की जांच के बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अदालत में अपने जमानत बांड जमा कर दिए हैं। दोनों नेताओं ने अदालत में 50,000 रुपये के जमानत बांड जमा किए। दरअसल, किसी भी आपराधिक मामले में आरोपी के बरी या दोषमुक्त होने के बाद भी अदालत के आदेश के खिलाफ उच्च अदालत में अपील की संभावना बनी रहती है। ऐसे में कानून के तहत आरोपी से जमानत बांड जमा करवाया जाता है, ताकि अपील दायर होने की स्थिति में उसकी अदालत में उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 27 फरवरी को दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए कुल 23 आरोपियों को बरी कर दिया था।

किसानों के मुद्दे पर लड़ती रहेगी कांग्रेस, यूएस ट्रेड डील का जिक्र कर राहुल ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर कांग्रेस

सांसद राहुल गांधी लगातार हमलावर हैं। उन्होंने एक बार फिर फेसबुक पोस्ट लिखकर किसानों से जुड़ा मुद्दा उठाया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से जुड़ा सवाल पूछा, लेकिन सरकार ने जवाब देने से बचने का रास्ता चुना और संसद के पटल पर पुरानी नीतियों को दोहराया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के हक में संसद से लेकर सड़क तक आवाज उठाते रहेगी। राहुल ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा,लोकसभा में मैंने सरकार से सीधा सवाल पूछा 2021 में किसानों से किया गया सी2 .50ः कानूनी एमएसपी का वादा अब तक लागू क्यों नहीं हुआ? सरकार ने जवाब देने से बचते हुए सिर्फ अपनी पुरानी एमएसपी नीति दोहरा दी। राहुल जिस सी2 प्लस 50 फीसदी फॉर्मूले का जिक्र कर रहे हैं, इसे आम तौर पर स्वामीनाथन समिति के सुझावों की तरह भी देखा जाता है। इसके तहत सरकार को ये सुझाव दिया गया है कि खेती की कुल लागत (सी2) में 50 फीसदी मुनाफे को जोड़ने के बाद ही फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का निर्धारण किया जाना चाहिए। अपने पोस्ट के साथ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सरकार से संसद में मिले जवाब की प्रति भी साझा की है।

मोदी सरकार की तानाशाही का पदार्फाश होना चाहिए, सोनम वांगचुक की रिहाई पर अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि केंद्र द्वारा सोनम वांगचुक की हिरासत तत्काल प्रभाव से रद्द किए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार एक बार फिर बेनकाब हो गई है। एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने वांगचुक की हिरासत की आलोचना की और कहा कि इस तानाशाही का पदार्फाश होना चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि मोदी सरकार एक बार फिर बेनकाब हो गई है। एक वैज्ञानिक और जलवायु कार्यकर्ता, जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र

की सेवा में समर्पित कर दिया था, को बिना किसी सबूत के गिरफ्तार कर लिया गया। जेल में बिताए उनके महीने न केवल उनके लिए व्यक्तिगत क्षति थे, बल्कि देश के लिए भी क्षति थे। इस घोर तानाशाही का तुरंत पदार्फाश होना चाहिए और इसे रोकना चाहिए। केजरीवाल को दिल्ली की एक विशेष अदालत ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में 22 अन्य लोगों के साथ बरी कर दिया है। इस बीच, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने वांगचुक की रिहाई के फैसले का स्वागत किया। थरूर ने सर्वोच्च न्यायालय से बिना मुकदमे के अधिकतम हिरासत अवधि के लिए सख्त मानदंड बनाने का आग्रह किया। एक पोस्ट में थरूर ने बिना मुकदमे के अनिश्चितकालीन हिरासत की आलोचना करते हुए इसे औपनिवेशिक काल की अलोकतांत्रिक प्रथा बताया, जिसका एक परिपक्व लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि केंद्र ने सोनम वांगचुक की हिरासत रद्द कर दी है, लेकिन 169 दिन का समय बहुत लंबा लगता है। सर्वोच्च न्यायालय को बिना मुकदमे के अधिकतम हिरासत अवधि के लिए सख्त मानदंड विकसित करने की जरूरत है। अनिश्चितकालीन हिरासत औपनिवेशिक काल से चली आ रही एक अलोकतांत्रिक प्रथा है।

राज्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक कर दिए दिशा निर्देश

सिद्धार्थनगर : जिले के चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक राज्यमंत्री, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0 मयंकेश्वर शरण सिंह की अध्यक्षता एवं विधायक इटवा/नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय, विधायक बांसी जय प्रताप सिंह, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, सदस्य विधान परिषद ध्रुव कुमार त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई।

सर्वप्रथम जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा राज्यमंत्री, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश मयंकेश्वर शरण सिंह को बुके देकर स्वागत किया गया। अन्य जनप्रतिनिधियों को भी बुके देकर स्वागत किया गया। चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान प्राचार्य डा राजेश मोहन ने जानकारी देते हुए बताया कि माधव प्रसाद त्रिपाठी राजकीय मेडिकल कालेज की स्थापना वर्ष 2021 में हुई। इसमें 22 विभाग कार्यरत है। प्रतिदिन 2000 ओपीडी होता है। सभी दवायें उपलब्ध है। समय समय पर आवश्यकतानुसार दवायें क्रय की जाती है। मेडिकल कालेज में 100 छात्र का प्रवेश प्रतिवर्ष होता है। वर्तमान में 500 छात्र अध्ययनरत है। 509 बेड उपलब्ध है। मा0 राज्यमंत्री, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0 मयंकेश्वर शरण सिंह जी द्वारा फैकेल्टी के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। प्राचार्य मेडिकल कालेज ने बताया कि प्रोफेसर की कमी है। जिसके लिए विज्ञापन निकाला जा रहा है। मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधिगण से कर फैकेल्टी की कमी को पूरा करे। इस मेडिकल कालेज का नाम भाजपा के प्रथम प्रदेश अध्यक्ष स्व माधव प्रसाद त्रिपाठी के नाम पर रखा गया है। और अच्छा कार्य करके इसे आगे बढ़ायें। अग्रले 03 वर्ष की कार्ययोजना बनाकर कार्य करें। खाली पदों को भरने की प्रक्रिया पूर्ण करें। मंत्री जी ने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि फैकेल्टी के लिए प्रयास करें। इसके साथ ही सभी कर्मचारियों को समय से वेतन दिये जाने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मंत्री को जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के सभी सीएचसी/पीएचसी पर दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता है किसी भी प्रकार की कमी नही है। जनपद में 1650 निक्षय मित्र है। टीबी के 5181 मरीज जनपद में है। मा0 मंत्री जी ने मा0 जनप्रतिनिधिगण/अधिकारियों से कहा कि ज्यादा से ज्यादा टी0बी0 मरीजों को गोद ले। मा0 मंत्री जी द्वारा समस्त एमओआईसी से सीएचसी/पीएचसी के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। विधायक कपिलवस्तु ने मंत्री से मांग किया कि पोस्टमार्टम सुबह 10 बजे से किया जाये। मंत्री जी द्वारा स्वीकृति प्रदान किया गया। राज्यमंत्री, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश मयंकेश्वर शरण सिंह ने बैठक में आने के लिए जनप्रतिनिधिगण का आभार प्रकट किया। मंत्री जी ने कहा कि सभी डाक्टर से अपेक्षा है कि कोई भी मरीज बिना इलाज कराये न जाये। मरीजों को अनावश्यक रेफर न करें। अपनी जिम्मेदारी का पालन करें। जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि समय-समय पर मेडिकल कालेज/अस्पताल का निरीक्षण करें। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा रजत कुमार चौरसिया, प्राचार्य मेडिकल कालेज डा राजेश मोहन, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा ए0के0झा, समस्त एमओआईसी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

पैमाइश कर राजस्व व पुलिस टीम ने सुलझाया तालाब का विवाद, मछली पालन का रास्ता साफ

सिद्धार्थनगरः जिले के शोहरतगढ़ तहसील में करीब एक वर्ष से विवाद के चलते बंद पड़े तालाब को आखिरकार प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद पैमाइश

कराकर उसका निस्तारित कर दिया गया है। इसके साथ ही तालाब के पट्टा धारक के लिए मछली पालन का रास्ता भी साफ हो गया है। मामला शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत इटहिया और झूगहवा गांवों के बीच स्थित एक तालाब का है। जानकारी के मुताबिक इस तालाब का पट्टा रामकेश निषाद के नाम हुआ था, लेकिन दोनों गांवों के बीच सीमा विवाद के कारण पिछले लगभग एक वर्ष से इसमें मछली पालन का कार्य शुरू नहीं हो पा रहा था। इस संबंध में पट्टा धारक रामकेश निषाद ने तहसील प्रशासन को प्रार्थना पत्र देकर तालाब की पैमाइश कराने की मांग की थी। शिकायत के आधार पर तहसीलदार प्रकाश सिंह के निर्देशन में शनिवार को राजस्व टीम एवं पुलिस बल मौके पर पहुंचकर तालाब की पैमाइश कराई। पैमाइश के बाद मौके पर मौजूद लोगों को स्थिति स्पष्ट कर विवाद का समाधान कराया गया। पैमाइश के बाद विवाद समाप्त होने से अब तालाब में मछली पालन का कार्य शुरू होने की संभावना बढ़ गई है। इस दौरान कानूनगो रामजतन, बृजेश तिवारी, लेखपाल परमेंद्र कुमार, जगदीश चौरसिया, योगेश कुमार, उपनिरीक्षक शिव शंकर शर्मा सहित रामकेश पासवान और राजेश यादव आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा महिला सुरक्षा के प्रति महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन

द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह थाना शोहरतगढ के कुशल नेतृत्व में थाना क्षेत्र के कस्बा शोहरतगढ़ में मिशन शक्ति/साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन,181 महिला हेल्प लाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,112 पुलिस हेल्प लाइन,1098 चाईल्ड केयर लाइन,108एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन,14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

पुलिस ने महिला अपराध व उससे बचाव और साइबर अपराध सुरक्षा के बारे में किया जागरुक

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के

तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा तथा थानाध्यक्ष अमित कुमार थाना पथरा बाजार के कुशल नेतृत्व में थानाक्षेत्र के ग्राम दयालपुर मे मिशन शक्ति/साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ महिला सशक्तिकरण, साइबर जागरूकता व नये कानून के बारे में बताया गया एवं सरकार द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना व बहू सम्मेलन अभियान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन,181 महिला हेल्प लाइन,1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन,112 पुलिस हेल्प लाइन,1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

पुलिस भर्ती बोर्ड परीक्षा का जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने क्या निरीक्षण

सिद्धार्थनगर जिले के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन व वरिष्ठ पुलिस

अधीक्षक डा अभिषेक महाजन द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एंव समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 की प्रथम पाली की परीक्षा को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने हेतु परीक्षा सेंटर सिंहेश्वरी इण्टर कालेज नौगढ़, सिद्धार्थनगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एंव समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 की प्रथम पाली की परीक्षा को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने हेतु परीक्षा सेंटर सिंहेश्वरी इण्टर कालेज में ड्यूटी में लगे अधिकारी/कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

भक्तों की राह हुई आसान; कूष्मांडा मंदिर के बाहर से हटा अतिक्रमण

कानपुर। कूष्मांडा देवी मंदिर की सीसी रोड से नगर पालिका ने पुलिस के साथ मिलकर अवैध कब्जे हटवाए। नोटिस के बाद भी अतिक्रमण न हटाने वाले 42 दुकानदारों के खिलाफ यह सख्त कार्रवाई की गई। कानपुर के घाटमपुर में कूष्मांडा देवी मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को होने वाली परेशानियों को देखते हुए पालिका द्वारा बनवाई गई सीसी रोड के दोनों ओर दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध कब्जे हटवाए गए। पालिका द्वारा पहले दी गई नोटिसों के बावजूद कब्जे न हटाने पर कार्रवाई की गई। पालिका द्वारा जारी की गई नोटिसों के बेअसर होने पर शुक्रवार को ईओ महेंद्र कुमार ने पुलिस व पालिका कर्मियों के साथ कब्जे हटवाए जाने की कमान संभाली। इस दौरान कब्जेदारों ने कुछ विरोध करने की भी कोशिश की, लेकिन ईओ के तेवर देख वह हिम्मत नहीं जुटा पाए। दुकानदारों ने जल्द हटा लिए कब्जे इससे पहले दुकानों का सामान पालिका कर्मी ट्रैक्टर में लादना शुरू करते दुकानदार खुद फटाफट कब्जे हटाने लगे। कार्रवाई के डर से देखते ही देखते सारे अवैध कब्जे दुकानदारों ने हटा लिए। इस मौके पर सभासद गुड्डू पंडित के अलावा कस्बा चौकी प्रभारी शैलेन्द्र सिंह मय फोर्स के मौजूद रहे। 42 दुकानदारों को जारी किए गए थे नोटिस उल्लेखनीय हो कि कूष्मांडा देवी मंदिर पहुंचने में श्रद्धालुओं को होने वाली परेशानियों को देखते अधिशाषी अधिकारी ने ऐसे 42 दुकानदारों को सीसी रोड से दुकानें व अतिक्रमण हटाए जाने के लिए नोटिसें जारी की थीं। इसमें कुष्माण्डा देवी मंदिर परिसर के बाहर पार्किंग स्थल में ट्रक खड़ा करने वाले ट्रांसपोर्टर भी शामिल थे। नोटिस के बाद भी कब्जे न हटाने पर अभियान चलाया गया।

सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए चलेगा विशेष टीकाकरण अभियान

स्वास्थ्य विभाग की तरफ से सर्वाइकल कैंसर के रोकथाम के लिए विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए विभाग ने योजना तैयार कर ली है। इस तहत 14 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की किशोरियों का टीकाकरण किया जाएगा। महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग ने एचपीवी वैक्सीन लगाने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं और जल्द ही टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसर में से एक है।

हरदोई-हमीरपुर सहित कई जिलों में परीक्षा शुरू, सघन तलाशी के बाद परीक्षार्थियों को मिली एंट्री

औरैया। हमीरपुर, औरैया, फरुर्खाबाद, हरदोई सहित अन्य जिलों में पुलिस भर्ती परीक्षा कड़ी सुरक्षा और सघन तलाशी के बीच शुरू हुई

है। हजारों अभ्यर्थियों ने दो पालियों में अपने भविष्य के लिए परीक्षा केंद्रों पर दस्तक दी। उत्तर प्रदेश में पुलिस एवं उपनिरीक्षक (दरोगा) भर्ती परीक्षा के पहले दिन शनिवार को कानपुर मंडल और आसपास के जनपदों में भारी सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता देखने को मिली। हमीरपुर, औरैया, फरुर्खाबाद और हरदोई के केंद्रों पर सुबह से ही परीक्षार्थियों का हुजूम उमड़ पड़ा। प्रशासन ने नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराने के लिए केंद्रों के बाहर सघन तलाशी के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी गई। हमीरपुरः चार केंद्रों पर 3360 परीक्षार्थी पंजीकृत हमीरपुर में दो पालियों में परीक्षा शुरू हुई। यहां राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, पीजी कॉलेज कुछेछा, श्री विद्या मंदिर और राजाराम इंटर कॉलेज झलोखर को केंद्र बनाया गया है। पहली पाली सुबह 10 से 12 और दूसरी दोपहर तीन से पांच बजे तक तय की गई। पहले दिन 1680 परीक्षार्थियों की व्यवस्था रही। कल, 15 मार्च को भी इतनी ही संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। औरैयाः आठ केंद्रों पर सुरक्षा का कड़ा पहरा औरैया जनपद के आठ परीक्षा केंद्रों पर सुबह साढ़े आठ बजे से ही प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई। कड़ी जांच के बाद अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है। केंद्रों पर भारी पुलिस बल तैनात रहा और प्रशासनिक अधिकारी लगातार निरीक्षण करते रहे। कड़ी जांच के कारण केंद्रों के बाहर लंबी कतारें नजर आईं। फरुर्खाबादः 19 केंद्रों पर झांसी-हमीरपुर के युवाओं का जमावड़ा। फरुर्खाबाद में 19 केंद्रों पर पहली पाली में 5520 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। यहां झांसी, ललितपुर और हमीरपुर से बड़ी संख्या में युवा पहुंचे। क्रिश्चियन कॉलेज केंद्र के बाहर परीक्षार्थी आखिरी मिनट तक किताबों और नोट्स के साथ तैयारी करते नजर आए। रोडवेज और ट्रेनों में भारी भीड़ के बावजूद परीक्षार्थी समय से केंद्र पहुंचे। हरदोईः केवल पेन-पेंसिल को मिली अनुमति हरदोई के 10 केंद्रों पर दरोगा भर्ती परीक्षा आयोजित की जा रही है। गेट पर सघन तलाशी ली गई। अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र, पेन और पेंसिल के अलावा मोबाइल, घड़ी या कोई भी अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अंदर ले जाने की सख्त मनाही रही। बता दें कि परीक्षार्थियों की भारी भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल ने लखनऊ और शाहजहांपुर के बीच दो-दो फेरों के लिए परीक्षा विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। चित्रकूटः सीसीटीवी की निगरानी में 2640 परीक्षार्थी दे रहे परीक्षा चित्रकूट के सात केंद्रों पर दरोगा भर्ती परीक्षा सीसीटीवी की निगरानी में सुचारू रूप से चल रही है। प्रत्येक पाली में 2640 अभ्यर्थी कड़े सुरक्षा घेरे के बीच परीक्षा दे रहे हैं। इससे पहले केंद्रों के गेट पर ही अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली गई। बायोमेट्रिक उपस्थिति और पहचान पत्र के मिलान के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी गई।

कवच सिस्टम हेतु स्थापित किये गये टावर का दृश्य

गोरखपुरः भारतीय रेल पर ट्रेनों के सुरक्षित एवं संरक्षित संचलन हेतु कवच सिस्टम लगाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर रेलवे पर भी रेल संरक्षा को और सुदृढ़ करने हेतु कवच सिस्टम लगाये जा रहे है। कवच सिस्टम एक बहुत कॉम्प्लेक्स टेक्नोलॉजी है, जिसमें ऑप्टिकल फाइबर केबल, टेलीकॉम टावर, स्टेशन डेटा सेंटर, ट्रैक साइड इक्विपमेंट और ऑनबोर्ड लोकोमोटिव सिस्टम समेत पाँच बड़े सबसिस्टम शामिल हैं। इसके दो प्रमुख घटक हैं; पहला घटक- ऑन बोर्ड इक्यूपमेंट, जिसे लोको कवच भी कहा जाता है। इसमें वाइटल कम्प्यूटर, ब्रेक इंटरफेस यूनिट, लोको पायलट मशीन इंटरफेस, आर.एफ.आई.डी. रीडर, पल्स जेनरेटर एवं रेडियो एंटीना लगाये जाते हैं। दूसरा घटक- ट्रैक साइड, जो कि स्टेशनरी कवच यूनिट है, इसमें स्टेशन मास्टर ऑपरेशन कम इंडीकेशन पैनल, कंक्रीट

स्लीपरों पर आर.एफ.आई.डी. टैग तथा 40 मीटर ऊँचे टॉवर एवं एंटीना लगाये जाने का कार्य किया जाता है। आर.एफ.आई.डी. टैग प्रत्येक 01 किमी. पर 01 सेट यानि कि 02 आर.एफ.आई.डी. टैग लगाये जाते हैं। स्टेशन यार्डों में हर सिगनल के लिये आर.एफ.आई.डी. टैग लगाया जाता है। स्वदेशी रूप से विकसित कवच स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (ए.टी.पी.) प्रणाली को पूर्वोत्तर रेलवे के 1,441 रूट किमी. पर लगाने का कार्य रेल मंत्रालय द्वारा रु. 492.21 करोड़ की लागत से पहले ही स्वीकृत किया जा चुका है। कवच के इंस्टालेशन को प्राथमिकता प्रदान करते हुये इसे पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल पर लखनऊ जं.-मानक नगर, लखनऊ जं.-मल्हौर, बाराबंकी जं.-बुढ़वल जं., सीतापुर सिटी-बुढ़वल जं. एवं बुढ़वल जं.-गोरखपुर कैंट, वाराणसी मंडल पर गोरखपुर कैंट-गोल्डिनगंज, गोरखपुर कैंट-वाल्मीकिनगर रोड, भटनी जं.-वाराणसी जं., वाराणसी जं.-प्रयागराज जं. एवं औंड़िहार जं.-छपरा जं. तथा इज्जतनगर मंडल पर रावतपुर-फरूर्खाबाद जं., फरूर्खाबाद जं.-कासगंज जं. एवं कासगंज जं.-मथुरा जं. खंडों पर कवच का कार्य स्वीकृत किया जा चुका है। प्रथम चरण में पूर्वोत्तर रेलवे के 551 रूट किमी. प्रमुख रेलमार्गों पर कवच लगाने का कार्य किया जायेगा, जिसमें लखनऊ मंडल के सीतापुर सिटी-बुढ़वल जं., बुढ़वल जं.-गोरखपुर कैंट, मानक नगर-लखनऊ जं.-मल्हौर एवं बाराबंकी-बुढ़वल जं. तथा वाराणसी मंडल के गोरखपुर कैंट-गोल्डिनगंज खंड सम्मिलित हैं। इन खंडों पर 108 टावर लगाये जायेंगे, जिसका सर्वे का कार्य पूरा कर लिया गया है। वर्तमान में मुख्य मार्ग छपरा-बाराबंकी में टॉवर लगाने का कार्य प्रगति पर है, गोरखपुर-बस्ती खंड में 20 टावर स्थापित किये जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 331 जोड़ो की रीति रिवाज से हुआ विवाह

सिद्धार्थनगर जिले के बीएसए ग्राउंड में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, मा विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, पूर्व विधायक इटवा डा सतीश द्विवेदी, एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सामूहिक विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल,

विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर सामूहिक विवाह कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या को बुकें देकर स्वागत किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को बुकें देकर स्वागत किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बगल खाली प्रागंण मे मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत कुल 331 जोड़ो का सामूहिक विवाह कार्यक्रम में उपस्थित हुये। हिन्दू समुदाय के 238 जोड़ों, बौद्ध धर्म के 74 तथा मुस्लिम समुदाय के 19 जोड़ो का विवाह सम्पन्न हुआ। जिसमें हिन्दू, बौद्ध एवं मुस्लिम समुदाय के लोग सम्मिलित हुए। इस विवाह कार्यक्रम में हिन्दू परिवार के लोगो को पंडित द्वारा विवाह सम्पन्न कराया गया तथा मुस्लिम समुदाय के जोड़ों का निकाह मौलाना द्वारा निकाह पढ़कर शादी/विवाह का कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया तथा बौद्ध धर्म का उनके धमार्नुसार विवाह कराया गया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम हेतु सभी पंक्तियों के लिए प्रभारी अधिकारी नियुक्ति किये गये थे। मुख्य अतिथि सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने सभी अधिकारियों एवं उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशन में एवं जिला प्रशासन के कुशल नेतृत्व में भव्य रूप से सामूहिक विवाह कार्यक्रम सम्पन्न हो रहा है। गरीब परिवारों के बेटियों को अपनी शादी धूमधान से होने की चिन्ता रहती है आज मुख्यमंत्री द्वारा उनकी चिन्ता को दूर करते हुये समान रूप से सामूहिक विवाह के माध्यम से भव्य रूप से करने का कार्य किया है। इस समारोह में जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन व वर वधू के माता पिता व परिवार के लोगों का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है। सभी नव दम्पति बेहतरीन तरीके से नई पारी की शुरूआत करें। सांसद ने शादी करने वाले सभी नवयुगल जोड़ों को जिला प्रशासन के माध्यम से नौकरी/प्लेसमेंट दिलाने की घोषणा किया गया।

अज्ञात वाहन ने पिकअप को मारी टक्कर,हेल्पर की मौत, ड्राइवर घायल

लखनऊ (संवाददाता)। गोसाईगंज थाना क्षेत्र में हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। घायल का इलाज चल रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना शनिवार सुबह करीब 4 बजे शारदा नहर के पास लक्ष्मणपुर में हुई। उपनिरीक्षक राजीव पटेल को सूचना मिलने पर वह मौके पर पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि पिकअप की टक्कर किसी अज्ञात वाहन से हो गई थी। पिकअप में चालक अतुल (निवासी जगदीशपुर, अमेठी) और हेल्पर राजीव सिंह (निवासी जगदीशपुर, कमरौली, अमेठी) सवार थे। दोनों को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें एंबुलेंस के माध्यम से सीएचसी गोसाईगंज पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने हेल्पर राजीव सिंह को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल चालक अतुल को आगे के इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

देश को लज्जित कर रहे राहुल गांधीः मुख्यमंत्री यादव

कहा-पेट्रोल-डीजल, एलपीजी की कोई कमी नहीं

■ ग्वालियर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जहां एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास हो रहा है, वहीं राहुल गांधी गंभीरता दिखाने की बजाय देश को लज्जित करने में लगे हुए हैं। युद्ध का समय है और देश एकजुटता मांगता है। डॉ यादव ने यह बात शुक्रवार को ग्वालियर जिले के घाटीगांव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कही।

उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में कहीं भी एलपीजी, पेट्रोलियम पदार्थ की कमी नहीं है। यदि कोई कालाबाजारी कर रहा है तो प्रशासन उससे निपटेगा। डॉ.यादव ने कहा कि जिस प्रकार से राहुल गांधी गंभीरता नहीं दिखाते हुए काम कर रहे हैं, वह गलत है और उसकी निंदा होनी चाहिए।

युद्ध का समय है और ऐसे में देश में एकजुटता की जरूरत है। इसके साथ एलपीजी से लेकर पेट्रोल-डीजल की प्रदेश में कमी नहीं है। प्रशासन को इसके लिए आदेश दिए गए हैं। इसके बाद भी कोई कालाबाजारी करता है तो अधिकारी कार्रवाई करने के लिए सक्षम हैं।

कांग्रेस की हमेशा नकारात्मक सोच रही है : सिंधिया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष का काम यही है सदैव नकारात्मक सोच के साथ निकलना। जब विश्व स्तरीय क्राइसिस है तो भारत का एक एक व्यक्ति साथ खड़ा है, केवल कांग्रेस पार्टी एक पार्टी है, जो क्रिटिसिज्म पर उतरी हुई है। जबकि तेल मंत्री हरदीप पुरी ने संसद में आश्वस्त किया है कि पेट्रोल, कैरोसीन की कोई कमी नहीं रहेगी। श्री सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी सफल डिप्लोमेसी रही है और विश्व स्तर पर भारत का परचम लहराने का कार्य उन्होंने किया है। आज अगर स्टेट ऑफ हार्मुज से एक जहाज तेल लेकर सुरक्षित निकला है तो वो केवल भारत का निकला है। इस संकट की घड़ी में भारत को विश्व पटल पर सम्मानित करने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। भारत की आर्थिक, आध्यात्मिक और जन-जन की सुरक्षा, यह प्रधानमंत्री का एक मात्र लक्ष्य अपनी जिंदगी में रहा है।

सिंधिया ने व्यक्त की शोक संवेदना

महापौर डॉ. शोभा सिकरवार एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के ललितपुर कॉलोनी स्थित निवास पर केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उनके ताऊ स्व. मानसिंह सिकरवार के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। साथ ही पूर्व विधायक गजराज सिंह सिकरवार के स्वास्थ लाभ की जानकारी ली। इस मौके पर परिवारजन वृंदावन सिंह सिकरवार, पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार, सत्यप्रकाश सिंह सिकरवार, योगेन्द्र सिंह सिकरवार, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह सिकरवार, आदित्य सिंह सिकरवार आदि मौजूद रहे। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष कांग्रेस डॉ. देवेन्द्र शर्मा, प्रेमसिंह यादव, राम पाण्डे, अवधेश कौरव, राजेश तोमर, रेखा जाटव, संदीप यादव, अनूप शिवहरे, केदार बरहादिया, प्रमोद खरे, अंकित कट्ठल आदि शामिल रहे। इसके साथ ही श्री सिंधिया ने विधायक प्रीतम सिंह लोधी, पूर्व वरिष्ठ आईएएस प्रशांत मेहता एवं कुंजबिहारी एंड संस के निवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की।

सिंधिया के काफिले के वाहन टकराए

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शुक्रवार को जब जलालपुर से विधायक प्रीतम सिंह लोधी के निवास से लौट रहे थे, तभी उनके काफिले के चार-पांच वाहन आपस में टकरा गए। बताया गया है कि कुछ युवा समर्थक तेज गति से वाहन चलाकर काफिले में घुसना चाह रहे थे, तभी बीच में चल रहे वाहन द्वारा ब्रेक लगाने से आपस में टकरा गए। एक वाहन पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल का भी इसकी चपेट में आ गया। हालांकि वे वाहन में नहीं बैठे थे और सिंधिया के साथ गाड़ी में थे। उनके वाहन में पूर्व सरपंच सुरेंद्र शर्मा एवं पूर्व पार्षद गुड्डू वारसी बैठे हुए थे, श्री वारसी के पैर में चोट लगी है।

'सारी दुनिया से सुन्दर न्यारा हिन्दुस्तान मिला'

ग्वालियर। संगम साहित्य संस्था द्वारा मानस भवन फूलबाग में होली मिलन एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कवियों ने देशभक्ति, प्रेम और होली के रंगों पर आधारित कविताएं प्रस्तुत की। काव्य गोष्ठी में अमित चितवन ने सारी दुनिया से सुन्दर न्यारा हिन्दुस्तान मिला, आजादी के बाद हमें सारा हिन्दुस्तान मिला, आपस के झगड़े छोड़ो आप जिओ और जीने दो जन्नत जैसा हम सबको प्यारा हिन्दुस्तान मिला। कविता राय ने गली गली में घूम रही है दुशासन की टोली रे, कैसे मनाऊं सखियों संग प्रेम भाव से होली रे। निहारिका शर्मा ने पल पल रंग रुप बदलती जिन्दगी की यही कहानी है, कभी गुनगुनाती कभी हंसाती जिंदगानी है। इसी क्रम में कमलेश कैस, चेतना चौहान, गंगा दीन शाक्य, रेखा दीक्षित, राम लाल साहू बेकस, जग मोहन श्रीवास्तव, राज किशोर वाजपेयी, कैलाश स्वर्णकार, डॉ. रमेश मछण्ड, अमर सिंह यादव, यासीन मन्सूरी, चेतराम सिंह भदौरिया आदि ने काव्य पाठ किया।

जैन महिला परिषद की प्रांतीय टीम का सम्मान

ग्वालियर। अखिल भारतवर्षीय जैन महिला परिषद की नव निर्वाचित प्रांतीय टीम का ग्वालियर शाखा द्वारा स्वागत-सम्मान शुक्रवार को किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष माधवी शाह ने कहा कि नई टीम मानव सेवा, धार्मिक कार्यों और बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ अभियान पर विशेष कार्य करेगी। समारोह में अनीता जैन, रक्षा पाटनी, नविता जैन, मोनिका जैन, डॉली जैन, आयुषा जैन एवं पूजा जैन विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

विद्यार्थियों को बताए शैक्षणिक तनाव से निपटने के तरीके

■ ग्वालियर

मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा परीक्षा से संबंधित तनाव को कम करने के उद्देश्य से मनोबल सत्र-2026 कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम नेशनल टास्क फोर्स के तत्वावधान में प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय उच्च शिक्षण संस्थानों में ऑनलाइन माध्यम से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर में भी इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा परामर्शदाता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह ऑनलाइन सत्र जीवाजी विश्वविद्यालय के सीआईएफ विभाग में आयोजित किया गया, जहां विद्यार्थियों ने यूट्यूब के माध्यम से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, परीक्षा संबंधी तनाव को कम करना तथा जीवन कौशल और भावनात्मक संतुलन को विकसित करना है। कार्यक्रम के पहले दिन डॉ. तन्मय जोशी, सहायक प्राध्यापक, मनोरोग विभाग, भोपाल ने शैक्षणिक एवं मनोवैज्ञानिक तनाव से निपटने की रणनीतियां विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि परीक्षा के समय उत्पन्न होने वाला तनाव सामान्य है, परंतु उचित समय प्रबंधन, अध्ययन की सही योजना तथा सकारात्मक सोच के माध्यम से इसे प्रभावी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। इस कार्यक्रम की समन्वयक एवं विश्वविद्यालय की नोडल अधिकारी डॉ. साधना श्रीवास्तव के द्वारा सत्र का आयोजन किया गया।

सिंधी हास्य एवं रंगारंग कार्यक्रम 17 को

ग्वालियर। झूलेलाल कल्चरल सोसाइटी द्वारा चेटीचंड के अवसर पर 17 मार्च को शाम 7:30 बजे चेम्बर ऑफ कॉमर्स सभागार (स्व. गंगाराम रोहिड़ा सभागार) में सिंधी हास्य एवं रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रसिद्ध हास्य कलाकार परमानंद प्यासी और गायिका सोनिया निहलानी प्रस्तुति देंगी। सोसायटी के श्रीचंद पंजाबी एवं भीष्म पमनानी ने बताया कि इस दिन समाज की प्रसिद्ध 5 मित्र जोड़ियों का सम्मान किया जाएगा।

सकल ब्राह्मण महासमिति की बैठक कल

ग्वायिलर। सकल ब्राह्मण महासमिति की बैठक 15 मार्च रविवार को दोपहर 3 बजे प्रधान कार्यालय ऊंट पुल, जिंसी नाला में आयोजित की जाएगी। महासमिति के अध्यक्ष प्रकाश नारायण शर्मा एवं महिला अध्यक्ष बीना भारद्वाज ने बताया कि बैठक में महासमिति के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी। साथ ही नए आजीवन सदस्यों को श्रीमद् भागवत गीता भेंटकर शपथ ग्रहण कराया जाएगा।

शिक्षकों की शिक्षक पात्रता परीक्षा का विरोध शुरू, ज्ञापन दिए

■ ग्वालियर

शिक्षक संगठनों ने शिक्षक पात्रता परीक्षा का विरोध शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि 20-25 वर्ष से ज्यादा नौकरी कर चुके शिक्षकों के लिए परीक्षा की उपयोगिता क्या है और यह परीक्षाएं भूतलक्षी प्रभाव (पुरानी तिथि से प्रभावी) का उपयोग कर ली जा रही हैं। शुक्रवार को इस परीक्षा के विरोध में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने जिलाधीश कार्यालय वहीं संयुक्त मोर्चा ने संभागीय आयुक्त कार्यालय में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया और मांग की परीक्षा निरस्त करते हुए, न्यायालय में रिव्यू पिटीशन लगाई जाए।

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की जिला इकाई द्वारा जिला अध्यक्ष जितेंद्र यादव एवं जिला सचिव सुनील आर्य के नेतृत्व में शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरुद्ध रिव्यू पिटिशन लगाने के संबंध में जिलाधीश को मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन के नाम ज्ञापन दिया।

इनका कहना था कि टीईटी को प्राथमिक स्तर कक्षा 1 से 5वीं और उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा 6 वीं से 8 वीं के लिए योग्य होने के लिए अनिवार्य किया गया था 2009 से पूर्व भी शिक्षकों की भर्ती हो चुकी थी तथा आरटीई एक्ट 2009 में लागू हुआ है ऐसे में 2009 तक नियुक्त शिक्षकों पर यह नियम किस प्रकार लागू होता है। इसके साथ ही मांग की गई है कि उत्तर प्रदेश सरकार की तरह रिव्यू पिटिशन सर्वोच्च न्यायालय में दायर की जाए। ज्ञापन देने वालों में मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह भदौरिया, प्रदेश मंत्री निरंजन सिंह घुरैया, संभागीय कार्यकारी अध्यक्ष पवन शर्मा, देवेंद्र दुबे, सौरभ शर्मा अलका बरुआ, शिवाकांत शर्मा, मनोज बरैया, वंदना शर्मा सहित अनेक शिक्षक मौजूद थे।

वहीं अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने संभागायुक्त कार्यालय में ग्वालियर संभाग के प्रतिनिधि सीएल डोडियार संयुक्त आयुक्त विकास के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। शिक्षक पात्रता परीक्षा को लेकर आज प्रदेश व्यापी ज्ञापन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें मांग की गई है कि शिक्षकों के विगत कई वर्षों के अनुभव, विभाग में उनकी सेवाओं एवं उम्र की इस दहलीज पर पारिवारिक जिम्मेदारियों को दृष्टिगत रखते हुए पात्रता परीक्षा से मुक्त किए जाने हेतु सर्वोच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दायर किए जाने का अनुरोध किया गया। ज्ञापन देने वालों में राकेश नायक, अरविन्द दीक्षित, रविंद्र त्रिपाठी, राजीव पाठक, रणवीर सिंह सिकरवार, देवेंद्र दुबे, मुकेश मौर्य तथा नंदकिशोर गोस्वामी आदि मौजूद थे।

आरजेएन अपोलो में कल निशुल्क वैरिकोज वेन परामर्श शिविर

ग्वालियर। आरजेएन अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल में 15 मार्च रविवार को वैरिकोज वेन (नसों की सूजन) से संबंधित समस्याओं के लिए निशुल्क परामर्श एवं जागरूकता चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, दिल्ली के वरिष्ठ वैस्कुलर सर्जन डॉ. जैसम चोपड़ा मरीजों को परामर्श देंगे। शिविर में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक मरीजों को निशुल्क परामर्श दिया जाएगा। साथ ही मेडिक्लेम व कैशलेस सुविधा की जानकारी भी दी जाएगी। डॉ. चोपड़ा ने बताया कि वैरिकोज वेन्स भारत सहित दुनिया भर में एक आम समस्या है। इसमें पैरों की नसें उभरकर सूजी हुई दिखाई देती हैं। कई बार इनमें दर्द नहीं होता, लेकिन नसों के फटने से रक्तस्राव की स्थिति भी बन सकती है। महिलाओं में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है, जिसके प्रमुख कारण गर्भावस्था, आनुवंशिकता, बढ़ती उम्र, लंबे समय तक खड़े रहकर काम करना और मोटापा हैं। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक से बिना काटे और बिना टांके के उपचार संभव है, जिसमें मरीज इलाज के तुरंत बाद चल-फिर सकता है और लगभग 48 घंटे में सामान्य काम पर लौट सकता है।

सिम्स में जागरूकता कार्यक्रम, मरीजों को वितरित की गई कंफर्ट किट

■ ग्वालियर

विश्व किडनी दिवस के अवसर पर सिम्स अस्पताल परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर डायलिसिस करा रहे मरीजों के परिजनों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर विश्व किडनी दिवस मनाया गया और डायलिसिस करा रहे मरीजों को कंफर्ट किट वितरित की गई। सिम्स के वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनू सिंह पाटिल ने बताया कि इस वर्ष विश्व किडनी दिवस की थीम 'सभी के लिए किडनी स्वास्थ्य लोगों की देखभाल, पृथ्वी की रक्षा' रखी गई है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य लोगों को किडनी की सेहत के प्रति जागरूक करना है। साथ ही यह समझाना भी जरूरी है कि पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और बढ़ती गर्मी जैसी परिस्थितियां भी किडनी रोगों के खतरे को बढ़ा सकती हैं। डॉ. पाटिल ने बताया कि किडनी शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में से एक है, जो रक्त को छानकर शरीर से विषैले तत्व और अतिरिक्त तरल पदार्थ बाहर निकालती है। किडनी से जुड़ी कई बीमारियां शुरुआती चरण में बिना किसी लक्षण के बढ़ती रहती हैं, इसलिए समय-समय पर जांच कराना आवश्यक है। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ओ. पी. शुक्ला ने कहा कि किडनी रोगों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य शिविर, सेमिनार और निःशुल्क जांच शिविर आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि लोगों को रोगों की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और उपचार के बारे में सही जानकारी मिल सके। कार्यक्रम में अतिरिक्त अधीक्षक विंग कमांडर डॉ. अक्षय सुरंगलिकर, ट्रांसप्लांट समन्वयक डॉ. नरेंद्र सिकरवार तथा नेफ्रोप्लस के प्रबंधक राहुल नरवरिया सहित अस्पताल का स्टाफ उपस्थित रहा।

नवरात्रि पर जम्मू-कटरा जाने वाली ट्रेनें फुल, वेटिंग टिकट भी नहीं, तत्काल पर करना पड़ेगी यात्रा

■ ग्वालियर

चैत्र नवरात्रि महोत्सव 19 मार्च से शुरू हो रहा है। इसके चलते पहले ही वैष्णो देवी, मैहर जैसे धार्मिक स्थानों पर जाने वाली ट्रेनों में सीटें पूरी आरक्षित हो गई हैं। कुछ ट्रेनों में तो नो रूम की स्थिति है। ऐसी स्थिति में अब बर्थ के लिए यात्रियों की उम्मीद तत्काल टिकट पर है। वेटिंग लंबी होने के कारण अब लोग तत्काल टिकट लेकर यात्रा बना रहे हैं। ग्वालियर-चंबल अंचल के लोग बड़ी संख्या में नवरात्रि पर प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों पर जाते हैं। वैष्णो देवी, मैहर वाली माता, हिमाचल स्थित कांगड़ा देवी, ज्वाला देवी, नैना देवी की ओर जाने वाली ट्रेनों में अभी से सीटें फुल हो गई हैं। इन तीर्थ स्थलों पर झेलम एक्सप्रेस, मालवा एक्सप्रेस, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, अंडमान एक्सप्रेस, महाकौशल एक्सप्रेस, पंजाब मेल, पठानकोट एक्सप्रेस, मंगला एक्सप्रेस, स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस आदि ट्रेनें पहुंचती हैं, लेकिन इन ट्रेनों में स्लीपर व एसी के किसी भी श्रेणी में कन्फर्म सीटें नहीं मिल रही हैं। सबसे ज्यादा खराब स्थिति वैष्णो देवी जाने वाली ट्रेनों की है। यहां जाने वाले यात्रियों को दिल्ली से जम्मू जाने वाली ट्रेनों में भी कंफर्म बर्थ नहीं मिल रही है। ट्रेनों में नो रूम की स्थिति बन चुकी है। यात्रियों को एक दिन पहले तत्काल कोटे से ही कंफर्म सीट मिलने की उम्मीद है।

अंडमान एक्सप्रेस व मालवा एक्सप्रेस में नोरुम

जम्मूतवी जाने वाली झेलम एक्सप्रेस, अंडमान जैसी ट्रेनों के एसी कोच में 15 से 20 तक वेटिंग है। जबकि स्लीपर में नोरुम की स्थिति बनी हुई है। मालवा एक्सप्रेस के स्लीपर में नोरुम की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में अब जम्मू जाने वाले यात्रियों को तत्काल का ही सहारा है।

इन ट्रेनों में वेटिंग

झेलम एक्सप्रेस, मालवा एक्सप्रेस, जबलपुर कटरा एक्सप्रेस, -अंडमान एक्सप्रेस, दुर्ग एक्सप्रेस।

पक्षियों के लिए बसेरा, राहगीरों के लिए छाया, रोहित ने खड़ा कर दिया वृक्ष आश्रम

विचार से नवाचार

■ ग्वालियर

विकास की दौड़ में हर साल लाखों पेड़ काटे जा रहे हैं। इसके कारण जहां पक्षियों के घोंसले उजड़ रहे हैं, वहीं राहगीरों को भी रास्तों में छाया नसीब नहीं हो रही। ऐसे समय में ग्वालियर के एक युवा ने प्रकृति संरक्षण को अपना मिशन बना लिया है। इलेक्ट्रिकल व्यवसायी रोहित उपाध्याय ने बिलौआ क्षेत्र में ऐसा वृक्ष आश्रम तैयार किया है, जहां हजारों पौधे और सैकड़ों पेड़ पर्यावरण की रक्षा कर रहे हैं। यहां अब पक्षियों की चहचहाहट गूंजती है और राहगीरों को हरियाली के बीच सुकून भरी छाया मिलती है। प्रकृति की रक्षा केवल सरकारों के भरोसे नहीं छोड़ी जा सकती। जब आमजन आगे आएंगे तभी पर्यावरण सुरक्षित रहेगा।

एक पेड़ के कटने से बदली सोच : रोहित उपाध्याय बताते हैं कि उनके घर के पास एक खाली प्लॉट में बड़ा पेड़ था, जिस पर कई पक्षियों ने घोंसले बना रखे थे। जब उस प्लॉट पर निर्माण कार्य शुरू हुआ तो पेड़ काट दिया गया। पेड़ गिरते ही कई घोंसले टूट गए, अंडे फूट गए और कई पक्षियों के बच्चे गर्मी व भूख से मर गए। इस दर्दनाक दृश्य ने रोहित को भीतर तक झकझोर दिया। तभी उन्होंने तय किया कि वे पक्षियों के लिए नए आशियाने तैयार करेंगे और अधिक से अधिक पेड़ लगाएंगे।

बिलौआ में बनाया वृक्ष आश्रम

रोहित ने 2014 से पौधे लगाना शुरू किया और धीरे-धीरे इस प्रयास ने एक अभियान का रूप ले लिया। पहले उन्होंने सिटी सेंटर में वृक्ष आश्रम बनाया उसके बाद बिलौआ में उनके द्वारा तैयार किया गया वृक्ष आश्रम हरियाली से भर चुका है। यहां 5 हजार से अधिक पौधे और लगभग 500 पेड़ लहलहा रहे हैं। पेड़ों की छांव में पक्षियों के झुंड दिखाई देते हैं और आसपास का वातावरण भी शुद्ध वायु से भर गया है। आश्रम में 8 फीट का पौध तैयार कर ही उसे रोपित किया जाता है जिससे वह आसानी से पेड़ बन सके।

हर साल 10 हजार पौधे लगाने का संकल्प

रोहित का कहना है कि वे हर वर्ष लगभग 10 हजार पौधे रोपित करते हैं। अब तक वे अलग-अलग स्थानों पर करीब सवा लाख पौधे लगा चुके हैं, जिनमें से कई पौधे आज बड़े वृक्ष बनकर पर्यावरण को समृद्ध कर रहे हैं। उनका मानना है कि यदि हर व्यक्ति साल में कुछ पौधे भी लगाए तो शहर की तस्वीर बदल सकती है।

मुफ्त पौधे और सीड बॉल से हरियाली

उन्होंने सिटी सेंटर क्षेत्र में एक नर्सरी भी स्थापित की, जहां से लोगों को विशेष अवसरों पर पौधे उपहार स्वरूप दिए जाते हैं। इसके साथ ही वे सीड बॉल तकनीक का उपयोग करते हैं। मिट्टी की छोटी गेंदों में बीज रखकर उन्हें खाली स्थानों पर फेंक दिया जाता है, जो बारिश के मौसम में अंकुरित होकर पौधे बन जाते हैं। इस प्रक्रिया में बरगद, इमली, अर्जुन, नीम, कचनार, अमलतास, बेर, पलाश और बबूल जैसे देशी पौधों के बीज शामिल किए जाते हैं।

पीपल के पौधों को नया जीवन : रोहित बताते हैं कि कई बार घरों की दीवारों या छतों पर उग आए पीपल के पौधों को लोग उखाड़कर फेंक देते हैं। ऐसे पौधों को वे लोगों से लेकर सुरक्षित स्थानों पर रोपित करते हैं। अब तक लगभग 500 पीपल के पौधे इस तरह बचाकर लगाए जा चुके हैं।

जीवाजी विवि के विद्यार्थियों ने देखी स्टील निर्माण की प्रक्रिया

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय की वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययनशाला द्वारा विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने प्राइम गोल्ड सेल स्टील फैक्ट्री का भ्रमण कर स्टील निर्माण की जटिल प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखा और समझा। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने फैक्ट्री परिसर में मेटल कास्टिंग यूनिट और रोलिंग मिल जैसी विशाल मशीनों के संचालन को लाइव देखा। फैक्ट्री के अनुभवी मानव संसाधन प्रबंधक दीपक भारद्वाज ने कच्चे लोहे से लेकर फिनिश्ड स्टील/सरिया बार्स तैयार होने तक की तकनीकी प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही औद्योगिक वातावरण में सुरक्षा के महत्व को बताते हुए विद्यार्थियों को सुरक्षा नियमों और गुणवत्ता मानकों से भी अवगत कराया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. एसके सिंह ने कहा कि इस प्रकार के औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करते हैं। वहीं प्रो. राजेंद्र खटीक ने कहा कि ऐसे भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाना और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है। प्रो. एसके सिंह ने गोल्ड स्टील फैक्ट्री प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने विद्यार्थियों को सीखने का बेहतर अवसर प्रदान किया।

सम्पादकीय

संकट में ऊर्जा

आज की दुनिया को अक्सर श्वैश्विक गांवश कहा जाता है। तकनीक, व्यापार और संचार के विस्तार ने देशों को इतना परस्पर जुड़ा हुआ बना दिया है कि विश्व के किसी भी हिस्से में घटित घटना का प्रभाव सीमाओं से परे जाकर अन्य देशों तक पहुंच जाता है। पश्चिम-एशिया में हाल ही में बढ़े सैन्य तनाव और युद्ध की स्थिति ने इस वास्तविकता को एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और उसके बाद उत्पन्न भू-राजनीतिक संकट ने केवल क्षेत्रीय सुरक्षा को ही नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित किया है। इसका असर भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देशों पर विशेष रूप से दिखाई दे रहा है। पश्चिम एशिया विश्व की ऊर्जा राजनीति का केंद्र माना जाता है। तेल और गैस के विशाल भंडार के कारण यह क्षेत्र दशकों से वैश्विक अर्थव्यवस्था की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करता रहा है, लेकिन जब भी इस क्षेत्र में संघर्ष या अस्थिरता पैदा होती है, तो उसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ता है। वर्तमान संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में बाधा उत्पन्न हुई है, जिसका प्रभाव कई देशों के साथ-साथ भारत पर भी दिखाई देने लगा है। भारत में एलपीजी (लिक्वीफाइड पैट्रोलियम गैस) गैस-सिलेंडरों की आपूर्ति में देरी, बुकिंग की अवधि में वृद्धि और होटल-रेस्टोरेंट उद्योग में गैस की कमी जैसी समस्याएं इसी व्यापक संकट की ओर संकेत करती हैं। भारत की ऊर्जा संरचना को समझे बिना इस समस्या की गंभीरता को नहीं समझा जा सकता। भारत विश्व के सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ताओं में से एक है, लेकिन उसकी घरेलू ऊर्जा उत्पादन क्षमता अभी भी सीमित है। एलपीजी की मांग का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है और इन आयातों का अधिकांश भाग पश्चिम एशियाई देशों से आता है। ऐसी स्थिति में यदि उस क्षेत्र में युद्ध या परिवहन मार्गों में बाधा उत्पन्न होती है, तो उसका सीधा प्रभाव भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ना स्वाभाविक है। भारत में रसोई गैस केवल एक घरेलू ईंधन नहीं रह गई है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। पिछले दशक में विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से करोड़ों परिवारों को श्एलपीजीश कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम हुई है, लेकिन इस बढ़ती सहूलियत के साथ-साथ आयात पर बढ़ती निर्भरता भी एक चुनौती बनकर सामने आई है। यदि वैश्विक संकट के कारण गैस की आपूर्ति प्रभावित होती है, तो इसका असर केवल घरों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि छोटे व्यापार, होटल-रेस्टोरेंट उद्योग और खाद्य क्षेत्र पर भी पड़ता है। ऊर्जा संकट का आर्थिक प्रभाव भी कम गंभीर नहीं होता। ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। परिवहन, उद्योग और उत्पादन की लागत बढ़ जाती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ती हैं। इसका सबसे अधिक प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ता है। इसलिए ऊर्जा आपूर्ति में किसी भी प्रकार की अनिश्चितता किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती बन सकती है। ऐसी परिस्थितियों में भारत की विदेश नीति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है और उसकी विदेश नीति परंपरागत रूप से संतुलन, संवाद और शांति के सिद्धांतों पर आधारित रही है। भारत के संबंध पश्चिम-एशिया के लगभग सभी प्रमुख देशों के साथ हैं - चाहे वह इजराइल हो, ईरान हो या अरब देश। इसलिए भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अपनी कूटनीतिक संतुलन क्षमता को बनाए रखते हुए क्षेत्र में शांति और स्थिरता की दिशा में सकारात्मक भूमिका निभाए। भारत की विदेश नीति का मूल आधार हमेशा से यह रहा है कि वह किसी भी संघर्ष में पक्ष लेने के बजाय संवाद और कूटनीति के माध्यम से समाधान का समर्थन करे। आज भी यही दृष्टिकोण सबसे उपयुक्त प्रतीत होता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत युद्ध के बजाय बातचीत, संघर्ष-विराम और बहुपक्षीय सहयोग का समर्थन करता है। भारत की छवि एक जिम्मेदार और शांति-समर्थक राष्ट्र की रही है और इस संकट के समय भी उसे इसी दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। हालांकि केवल कूटनीति ही पर्याप्त नहीं है। ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना भी उतना ही आवश्यक है। भारत को अपनी ऊर्जा नीति में दीर्घकालिक सुधार करने होंगे। इसके अंतर्गत ऊर्जा स्त्रोतों का विविधीकरण अत्यंत आवश्यक है, ताकि देश किसी एक क्षेत्र या देश पर अत्यधिक निर्भर न रहे। इसके साथ-साथ नवीकरणीय ऊजार्कृजैसे सौर और पवन ऊर्जा का विस्तार भी ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके अलावा घरेलू गैस उत्पादन को बढ़ाने, ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित करने और वैकल्पिक ऊर्जा तकनीकों को प्रोत्साहित करने जैसे कदम भी भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होंगे। यदि भारत इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाता है तो भविष्य में किसी भी वैश्विक संकट का प्रभाव काफी हद तक कम किया जा सकता है।

राष्ट्रों की ताकत या नैतिकता, जंग के दौर में मानवता का सवाल

कोविड से बची दुनिया मानो यह मान बैठी है कि युद्ध करना और बम गिराना ही किसी राष्ट्र की पहचान है। नहीं तो फेफड़ों को बचाती और वैक्सीन ढूंढती उन भयभीत धड़कनों के बारे में सोचिए, जिन्हें अगले पल का पता नहीं था, फिर भी सभी, इनको-उनको बचाने में लगे हुए थे, क्योंकि उन्हें पता था कि जितनी यह दुनिया इनकी है, उतनी उनकी भी है। लेकिन पता नहीं फिर से मानो इस पृथ्वी को नजर लग गई। अब बस अकड़ देखिए, उन मुल्कों की, जहां सिर्फ और सिर्फ तेल के कुएं हथियाने और बम गिराने की प्रतियोगिता चल रही है। नैतिकता का प्रश्न, उस शांति का भाव, किसी और ग्रह का मालूम हो रहा है। हम सब देख रहे हैं और यह भी मान रहे हैं कि दुनिया धीरे-धीरे तीसरे विश्वयुद्ध की ओर बढ़ रही है। ऐसे में, सबसे जरूरी सवाल यह होगा कि युद्ध से कैसे बचा जा सकता है और शांति के मूल्यों को दोहराने के लिए दुनिया को क्या करने की जरूरत है। कई संघर्ष चल रहे हैं, जैसे ड्रोन कंट्रोल्ड युद्ध या साइबर हमले, वगैरह। क्या पैसे और बम जैसी धमकियों के जरिये देशों पर दबाव डालना सही है? क्या सबसे ताकतवर देश के तौर पर आम लोगों को मारने वाले ड्रोन का इस्तेमाल कोलैटरल डैमेज के तौर पर करना या अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना नैतिक है? युद्ध को अपनी पहचान समझाने के लिए मूल्यों या नैतिकता की जरूरत नहीं होती। यह शांति के मूल्य ही हैं, जो युद्ध की दुनिया को चुनौती देते हैं। शांति सिर्फ एकजुटता और संवेदनशीलता से आती है। इसे वैश्विक स्तर पर बनाने और फैलाने के लिए लीडरशिप की हर तरह की सोच में नैतिकता की भावना की जरूरत होती है। परमाणु बम या दूसरे तरह के परमाणु परीक्षण का जलवायु परिवर्तन पर क्या असर होगा और इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? इस्राइल और फलस्तीन में हजारों युवा, बच्चे, औरतें-मर्द मारे गए और रूस तथा यूक्रेन में भी यही नतीजे हुए। अब अमेरिका व ईरान के साथ-साथ पश्चिम एशिया में गोले बरसाता यह युद्ध क्या उन बच्चों से माफी मांग पाएगा, जो मारे गए। जो बच गए या बचेंगे उनकी मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक दिक्कतों का क्या? आखिरकार, वे शांति के दूत कहां हैं? क्या महात्मा गांधी, विवेकानंद ने कभी सोचा होगा कि एक इन्सान का अहंकार या घमंड और जिद लाखों हजारों लोगों को मौत की तरफ खींच लेगा, खासकर युद्ध व अनगिनत मौतें मानो एक सामान्य बात बन जाएंगी? एक बार जब महात्मा गांधी से किसी पत्रकार ने यह पूछा कि अगर कोई हवाई जहाज से बम गिर जाए, तो वह क्या करेंगे? गांधी जी का जवाब था कि वह उस पायलट के बारे में सोचेंगे, जो बम गिराते वक्त कितना परेशान रहा होगा। अगर आज विवेकानंद होते, तो वह कह जाते कि विश्व के नागरिकों के हित में महान अमेरिका वह होगा, जो युद्ध नहीं, शांति का नेतृत्व करेगा, जो आने वाली नस्लों को जीवन की क्षणभंगुरता नहीं, बल्कि उसकी उपयोगिता और प्रयोजन का अर्थ समझाएगा और उन्हें भी अपने मैं से मुक्त होना सिखाएगा। आज अगर स्वामी विवेकानंद होते, तो वह बहुत चिंतित होते और फिर वह प्रश्न भी पूछते कि आखिर किसी राष्ट्र की अस्मिता क्या होती है? नेतृत्व शक्ति का केंद्र होता है या महान नैतिक मूल्यों का? किसी भी राष्ट्र के लिए राष्ट्रीय प्रतिष्ठा क्या है? ऐसी दुनिया में एक नागरिक का सम्मान क्या होता है, जहां इन्सानी रिश्ते व्यापारिक फायदों से ज्यादा प्रभावित होते हैं, जहां किसी देश की महानता को आसानी से तात्कालिक स्वार्थों से बदल दिया जाता है, जहां संस्थाएं कंकड़-पत्थरों को तो चमकाती हैं, लेकिन वे चुपचाप हीरों की चमक फीकी कर देती हैं, जहां देशों के रिश्ते रोज नए दुश्मनों के नाम पर बदल रहे हैं... जहां व्यापार के नाम पर, तेल के भंडार के नाम पर, टैरिफ के नाम पर, और आगे ड्रोन, मिसाइलों, लड़ाकू विमानों के नाम पर, तानाशाही के नाम पर, आतंकवाद, डर और हिंसा के नाम पर; दो राष्ट्रों के रिश्ते परिभाषित हो रहे हैं। स्वामी विवेकानंद अमेरिका से, ईरान से, सभी से पूछते, और फिर पूरी दुनिया से पूछते। उन तमाम नेतृत्व से पूछते, जिन के लिए जनता एक ग्राहक है और देश बाजार। उस हर युवा से पूछते, जो देश और समाज से ज्यादा अपनी धुन में डूबा है? अपने ज्ञान और शख्सियत से जिस विवेकानंद ने अमेरिका को मनुष्यता, राष्ट्रवाद, अध्यात्म और जीवन का उद्देश्य सिखाया, उसके लिए अमेरिका और यहां तक कि दुनिया की लीडरशिप को भी स्वामी विवेकानंद को फिर से फॉलो करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। इसके लिए कोई टैरिफ नहीं लगेगा और इसमें कोई आर्थिक हित या व्यापार भी शामिल नहीं होगा। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नैतिकता काफी हद तक नेताओं की नैतिक सोच और मूल्यों पर भी निर्भर करती है। क्या संसार के नेतृत्वकर्ता, युद्ध से पहले और उसके दौरान इन्सानियत का भविष्य शांति के नजरिये से देखना चाहते हैं? क्या गांधी, लिंकन या विवेकानंद ने कभी सोचा होगा कि हिटलर के बाद फिर कोई घृणा की हवा ऐसी चलेगी, जो तमाम नेतृत्व के घमंड और जिद की खातिर लाखों लोगों को कब्र की ओर खींच सकती है। और फिर शांति के लिए यूएनओ की क्या भूमिका है? पिछले दशक से वह ज्यादातर समय चुप या निष्क्रिय क्यों रहना पसंद कर रहा है? क्या संसार के लीडर्स कंसोर्टियम ऑफ पीस नहीं बना सकते? आखिर दुनिया अगर बम से ही संचालित होनी है, तो फिर उन तेल के कुओं का क्या होगा? आखिर जीने के लिए तो हवा, पानी और मूल्यों से लैस दुनिया चाहिए। क्या शांति के मूल्य को लेकर चलने वाला अब कोई नेतृत्व नहीं आएगा क्या? क्या यह दुनिया सिर्फ बम और बाजार से ही संचालित होगी? हमें सोचना होगा कि इस पृथ्वी को कैसे बचाया जाए? एक तरफ एआई, दूसरी तरफ युद्ध में बरसते ड्रोन, आखिर मनुष्य जाए तो कहां जाए? गांधी जी तो दंगों के समय नोआखाली पहुंच गए थे। आखिर हम कहां पहुंचें। फिर से अहिंसा की आवाज उठेगी क्या? क्या कलिंग युद्ध से कोई महान अशोक बनकर लौटेगा।

यह शांति के मूल्य ही हैं, जो युद्ध की दुनिया को चुनौती देते हैं। शांति सिर्फ एकजुटता और संवेदनशीलता से आती है। इसे वैश्विक स्तर पर बनाने और फैलाने के लिए लीडरशिप की हर तरह की सोच में नैतिकता की भावना की जरूरत होती है। परमाणु बम या दूसरे तरह के परमाणु परीक्षण का जलवायु परिवर्तन पर क्या असर होगा और इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? इस्राइल और फलस्तीन में हजारों युवा, बच्चे, औरतें-मर्द मारे गए और रूस तथा यूक्रेन में भी यही नतीजे हुए। अब अमेरिका व ईरान के साथ-साथ पश्चिम एशिया में गोले बरसाता यह युद्ध क्या उन बच्चों से माफी मांग पाएगा, जो मारे गए। जो बच गए या बचेंगे उनकी मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक दिक्कतों का क्या? आखिरकार, वे शांति के दूत कहां हैं? क्या महात्मा गांधी, विवेकानंद ने कभी सोचा होगा कि एक इन्सान का अहंकार या घमंड और जिद लाखों हजारों लोगों को मौत की तरफ खींच लेगा, खासकर युद्ध व अनगिनत मौतें मानो एक सामान्य बात बन जाएंगी? एक बार जब महात्मा गांधी से किसी पत्रकार ने यह पूछा कि अगर कोई हवाई जहाज से बम गिर जाए, तो वह क्या करेंगे? गांधी जी का जवाब था कि वह उस पायलट के बारे में सोचेंगे, जो बम गिराते वक्त कितना परेशान रहा होगा। अगर आज विवेकानंद होते, तो वह कह जाते कि विश्व के नागरिकों के हित में महान अमेरिका वह होगा, जो युद्ध नहीं, शांति का नेतृत्व करेगा, जो आने वाली नस्लों को जीवन की क्षणभंगुरता नहीं, बल्कि उसकी उपयोगिता और प्रयोजन का अर्थ समझाएगा और उन्हें भी अपने मैं से मुक्त होना सिखाएगा। आज अगर स्वामी विवेकानंद होते, तो वह बहुत चिंतित होते और फिर वह प्रश्न भी पूछते कि आखिर किसी राष्ट्र की अस्मिता क्या होती है? नेतृत्व शक्ति का केंद्र होता है या महान नैतिक मूल्यों का? किसी भी राष्ट्र के लिए राष्ट्रीय प्रतिष्ठा क्या है? ऐसी दुनिया में एक नागरिक का सम्मान क्या होता है, जहां इन्सानी रिश्ते व्यापारिक फायदों से ज्यादा प्रभावित होते हैं, जहां किसी देश की महानता को आसानी से तात्कालिक स्वार्थों से बदल दिया जाता है, जहां संस्थाएं कंकड़-पत्थरों को तो चमकाती हैं, लेकिन वे चुपचाप हीरों की चमक फीकी कर देती हैं, जहां देशों के रिश्ते रोज नए दुश्मनों के नाम पर बदल रहे हैं... जहां व्यापार के नाम पर, तेल के भंडार के नाम पर, टैरिफ के नाम पर, और आगे ड्रोन, मिसाइलों, लड़ाकू विमानों के नाम पर, तानाशाही के नाम पर, आतंकवाद, डर और हिंसा के नाम पर; दो राष्ट्रों के रिश्ते परिभाषित हो रहे हैं। स्वामी विवेकानंद अमेरिका से, ईरान से, सभी से पूछते, और फिर पूरी दुनिया से पूछते। उन तमाम नेतृत्व से पूछते, जिन के लिए जनता एक ग्राहक है और देश बाजार। उस हर युवा से पूछते, जो देश और समाज से ज्यादा अपनी धुन में डूबा है? अपने ज्ञान और शख्सियत से जिस विवेकानंद ने अमेरिका को मनुष्यता, राष्ट्रवाद, अध्यात्म और जीवन का उद्देश्य सिखाया।

अमेरिका-इजरायल के खतरनाक संपर्कों से भारत सावधान रहें

जगदीश रत्तनानी

दुनिया के कई हिस्सों में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एक बहुत ही तिरस्कृत व्यक्ति हैं जिनके खिलाफ युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए संयुक्त राष्ट्र समर्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। अक्टूबर, 2023 में इजराइल पर हमास के हमले के जवाब में युद्ध में उतरने के बाद से इजरायल ने गाजा में 72 हजार से अधिक लोगों को मार डाला है, जिनमें से करीब आधी महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग हैं। इजरायल ने पिछले 28 महीनों से औसतन हर 52 मिनट में एक बच्चे की जान ली है। विश्व स्तर पर मरने वालों की संख्या और 1.7 लाख से अधिक घायलों की संख्या को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है। इन हत्याओं के अपराधी इजरायल ने भी इस बात को मंजूर किया है। नेतन्याहू की पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एहुद ओल्मर्ट के शब्दों में जानबूझकर, बुरे, दुर्भावनापूर्ण और गैर-जिम्मेदाराना तरीके से निर्देशित नागरिकों की अंधाधुंध, असीमित, क्रूर और आपराधिक हत्याश ने इजरायल को विश्व में एक अछूत राज्य में बदल दिया है। इसी तरह का खेल अब ईरान में खेला जा रहा है जिसने इजरायल-अमेरिकी संयुक्त युद्ध आक्रमण के साथ ईरान को हत्या के मैदान में बदल दिया गया है। इस युद्ध में ईरानी नेता अली खामेनेई को पहले ही मार डाला गया है। अब वहां और अधिक मौतें तथा विनाश हो रहा है। यह ध्यान देने वाली बात है कि युद्ध को अमेरिका में व्यापक समर्थन प्राप्त नहीं है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को आने वाले समय में इसकी भारी राजनीतिक कीमत चुकानी होगी। लोगों का अनुमान है कि घरेलू स्तर पर भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करने वाले युद्धोन्मादी नेतन्याहू को आखिरकार एक अहंकारी ट्रम्प की भूमिका निभाने का मौका मिला है जो (ट्रम्प) नव साम्राज्यवादियों की पकड़ और एपस्टीन फाइलों में फंसा है और जिसके बेनकाब होने की प्रतीक्षा की जा रही है। आखिर यह कैसे हुआ कि भारत अपने समृद्ध इतिहास के साथ स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से अधिकांश भाग के लिए साम्राज्यवादी ताकतों के खिलाफ एक स्पष्ट रुख और दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्धता के साथ संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए सम्मान रखने वाला देश, साम्राज्यवाद के इस राक्षस के जाल में उलझ गया जो दुनिया भर में कहर फैला रहा है? इस बात पर विचार करें कि भारत और देश की रणनीतिक स्वायत्तता की स्थिति के लिए एक दुखद तस्वीर पेश करने के लिए घटनाएं कितनी जल्दी घटित हुईं हैं- कम अमेरिकी टैरिफ के बदले में भारत के लिए कई कठिन शर्तों वाले भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गलत समय पर इजरायल यात्रा और जिस ईरान के साथ भारत के असाधारण रूप से अच्छे संबंध रहे हैं उस ईरान पर इजरायल द्वारा हमला करने से ठीक दो दिन पहले नेसेट में मोदी का भाषणय नेतन्याहू ने ईरान पर हमले के बाद मोदी के साथ फोन पर बातचीत का हवाला देते हुए दावा कि भारत इजरायल के साथ खड़ा है, हालांकि भारत ने रिकॉर्ड पर ऐसा कोई बयान नहीं दिया (और वास्तव में श्शत्रुता को जल्द समाप्त करने की आवश्यकताश को दोहराया है)य युद्ध के कारण आपूर्ति में व्यवधान के मद्देनजर अमेरिका द्वारा भारत को एक महीने के लिए रूसी कच्चे तेल के आयात की अनुमति देने की छूट, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा भारत को श्गुड एक्टरश कह कर की गई टिप्पणी में निहित अच्छे आचरण का प्रमाणपत्र, नौसेना बेड़े की प्रेसिडेंशियल रिव्यू के लिए भारत का मेहमान और युद्ध मोड में न रहने वाले ईरानी नौसैनिक जहाज का हिंद महासागर में डूबना। इन सभी घटनाओं को व्यक्तिगत रूप से और निश्चित रूप से एक साथ लिया जाता है तो एक ऐसे भारत की तस्वीर पेश होती है जो असहाय है, जो दुनिया के गुंडों की गोद में बैठ गया है, जो एक गौरवशाली राष्ट्र के रूप में खड़े होने में असमर्थ या अनिच्छुक है तथा जिसकी अपनी स्वतंत्र सोच या आवाज नहीं है। हालांकि इजरायल में मोदी की उपस्थिति ने नेतन्याहू को मजबूती दी है लेकिन इसके बदले में भारत को रक्षा या व्यापार सौदों के अलावा कुछ नहीं मिला जिनका मूल्य संदिग्ध है। यह देखते हुए कि ये सौदे भारत को इजरायल के शिकंजे में और गहराई से धकेल देंगे जो आगामी सौदों और संबंधों में भारत की पसंद की स्वतंत्रता पर अंकुश लगा सकता है। नेतन्याहू-ट्रम्प धुरी लंबे समय तक नहीं चलेगी। एक ऐसे नेतृत्व के साथ जुड़कर- जिसकी पहचान अहंकार, आत्ममुग्धता तथा अत्याचार हैय भारत अपनी स्थिति को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचाता है और यहां से विश्व राजनीति के अन्य खिलाड़ियों द्वारा सभी प्रकार के दबाव की रणनीति के लिए एक वैध लक्ष्य के रूप में देखा जाएगा। यह भी स्पष्ट है कि इस खेल में ये अल्पकालिक हित हैं और जिसे दोस्ती नहीं कहा जा सकता। अमेरिका के उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ की टिप्पणी पर विचार करें कि वह भारत को उन आर्थिक लाभों की अनुमति नहीं देगा जो उसने चीन को दिए हैं और इसलिए अपने लिए एक प्रतिद्वंद्वी का निर्माण करेंगे या इजराइल में एक टेलीविजन शो की क्लिप पर विचार करें जहां एक टिप्पणीकार दावा करता है कि युद्ध के बाद जब उनके पास कोई उत्पादन लाइन नहीं होगी।

इस्लामोफोबिया से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस

कृअरुण कुमार डनायक

हर वर्ष 15 मार्च को इस्लामोफोबिया से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। यह तिथि 2019 में न्यूजीलैंड के क्राइस्ट चर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकी हमलों में 51 मृतकों की स्मृति से जुड़ी है, जिसने धार्मिक घृणा के हिंसक परिणामों को वैश्विक स्तर पर उजागर किया। इसी पृष्ठभूमि में पाकिस्तान ने इस्लामिक देशों के संगठन के समर्थन से प्रस्ताव प्रस्तुत किया और उसे धार्मिक सहिष्णुता, भेदभाव-निरोध व मानवाधिकारों जैसी व्यापक कूटनीतिक शब्दावली में प्रस्तुत कर वैश्विक सहमति बनाई, जिसके परिणामस्वरूप वह संयुक्त राष्ट्र महासभा में आम सहमति से पारित हो सका। सर्वसम्मति बन जाने के कारण भारत ने प्रस्ताव का प्रत्यक्ष विरोध नहीं किया, पर श्व्याख्या-स्थितिश दर्ज कराते हुए बहुलवाद को केंद्र में रखने की आवश्यकता पर बल दिया और 16 नवंबर के अंतरराष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस का उल्लेख करते हुए सभी प्रकार के धार्मिक पूर्वाग्रहों को समग्र रूप से संबोधित करने की बात कही। इसी क्रम में 2024 में प्रस्तुत एक अन्य प्रस्ताव से, जो मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव, हिंसा, और कुरान की अवमानना की निंदा करता है, भारत ने मतदान प्रक्रिया से स्वयं को प्रथक कर लिया। पुर्तगाल सहित कुछ यूरोपीय देशों एवं भारत, का मत है कि यह प्रस्ताव एक धर्म विशेष पर केंद्रित है, जबकि सभी धर्मों के विरुद्ध असहिष्णुता को समान रूप से संबोधित किया जाना चाहिएय इसलिए वे इसे औपचारिक राष्ट्रीय स्तर पर नहीं अपनाते हैं और आयोजन प्रायरू नागरिक संगठनों या स्थानीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों तक सीमित रहते

हैं। संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों ने हाल के वर्षों में इस्लामोफोबिया की बढ़ती घटनाओं को श्महामारी जैसी स्थितिश बताया है। यूरोप, अमेरिका और कनाडा में सर्वेक्षणों व आधिकारिक आंकड़ों से मुस्लिम विरोधी पूर्वाग्रह और घृणा अपराधों में वृद्धि के संकेत मिले हैं। भारत में, जहां मुसलमान सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय हैं, कुछ स्वतंत्र अध्ययनों में यह चिंता व्यक्त की गई है कि ध्रुवीकरण और घृणा-भाषण सामाजिक तनाव को बढ़ा रहे हैं। इन रुझानों से स्पष्ट है कि यह समस्या केवल पूर्वाग्रह तक सीमित नहीं, बल्कि हिंसा, धार्मिक स्थलों पर हमलों और सामाजिक व आर्थिक बहिष्कार के रूप में भी प्रकट हो रही है। इस्लामोफोबिया की जड़ें यरूशलम के क्रूसेड्स, स्पेन के रिकॉनक्विस्टा तथा भारत में मंदिर-मस्जिद विवाद जैसे मध्ययुगीन धार्मिक संघर्षों, औपनिवेशिक मानसिकता और उस प्रवृत्ति में निहित हैं, जिसमें भिन्न धार्मिक या सांस्कृतिक समुदायों को पराया या खतरे के रूप में चित्रित किया गया। आलोचक कुरान की कुछ युद्ध-संदर्भित आयतों का हवाला देकर इसे गैर-मुस्लिमों के विरुद्ध हिंसा से जोड़ते हैं, किंतु इन आयतों का संदर्भ 7वीं शताब्दी के विशिष्ट संघर्षों और आत्मरक्षा की परिस्थितियों से जुड़ा है साथ ही कुरान न्याय, सहअस्तित्व और सीमा-नियंत्रण पर बल देता है। अतरू चयनित पंक्तियों के आधार पर समग्र धर्म को हिंसक सिद्ध करना न तो ऐतिहासिक रूप से उचित है और न ही बौद्धिक रूप से न्यायसंगत। दूसरी ओर, अल-कायदा, आईएस आईएस, तालिबान, हिजबुल्लाह और हमास जैसे इस्लामी उग्रवादी समूह हिंसा का सहारा लेते रहे हैं, यद्यपि वे मुख्यधारा इस्लाम का प्रतिनिधित्व नहीं करते। 9द्11 जैसे हमलों के बाद मुसलमानों को आतंकवाद से जोड़ने की प्रवृत्ति वैश्विक स्तर पर बढ़ी, जिससे इस्लामोफोबिया को बल मिला। भारत में 1993 के मुंबई धमाके, 2001 का संसद हमला और कश्मीर की हिंसा, तथा हालिया इजरायल-हमासध हिजबुल्लाह संघर्ष जैसे घटनाक्रमों ने इस धारणा को और तीव्र किया। फिर भी, आतंकवाद के सबसे अधिक शिकार स्वयं मुसलमान भी रहे हैं, और अनेक मुस्लिम संगठनों व राष्ट्राध्यक्षों ने इसकी स्पष्ट निंदा की है। इस्लामोफोबिया का प्रसार केवल धार्मिक पूर्वाग्रह का परिणाम नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक कारकों से जुड़ा है। आर्थिक असुरक्षा, बेरोजगारी और संकट के दौर में अल्पसंख्यकों को दोषी ठहराने की प्रवृत्ति बढ़ती है, जिससे मुस्लिम समुदाय के प्रति नकारात्मकता गहराती है। राष्ट्रवादी राजनीति भी कई बार बहुसंख्यकवाद को बढ़ावा देकर उन्हें श्सांस्कृतिकश या श्सुरक्षाश खतरे के रूप में प्रस्तुत करती है। सोशल मीडिया की भ्रामक और मीडिया की सनसनीखेज प्रस्तुति इस धारणा को और मजबूत करती है। कुल मिलाकर, यह एक जटिल सामाजिक-राजनीतिक परिघटना है, जो आर्थिक असंतुलन, राजनीतिक विमर्श और सूचना-परिस्थिति से प्रभावित होती है। इस समस्या से निपटने के लिए शिक्षा, जागरूकता और नीतिगत सुधार आवश्यक हैं, ताकि पूर्वाग्रहों को चुनौती देकर समावेशी समाज को बढ़ावा मिल सके।

अनिद्रा की महामारी

भारतीय जन-जीवन में तेजी से घर करती डिजिटल जीवन शैली ने युवाओं की नींद को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिसके चलते उनमें आक्रामकता, अवसाद व आत्महत्या की प्रवृत्ति विकसित हो रही है। देश-दुनिया में समय-समय पर आने वाले विभिन्न सर्वेक्षण इस संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। लेकिन देश में किशोरों का स्क्रीन टाइम घातक ढंग से बढ़ रहा है। आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात-छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो। लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है। यह भारतीय जीवन दर्शन की अपरिहार्य धारणा भी रही है। लेकिन देश में पहले टीवी और अब मोबाइल फोन के अनियंत्रित उपयोग ने युवाओं की रात की नींद उड़ा दी है। जिसके चलते युवा पूरे दिन उखड़े-उखड़े और अशांत रहते हैं। उनमें आक्रामकता बढ़ रही है। फिर वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं। बाधित नींद की इस स्थिति में कालांतर मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक भाव उमड़ने लगते हैं। एक सर्वे बताता है कि देश में 73 फीसदी दसवीं के छात्र आठ घंटे से कम की नींद सोते हैं। कलकत्ता स्लीप सोसाइटी के विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया में 60 से 70 फीसदी किशोर पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। दरअसल, आज छात्रों पर अभिभावकों व शिक्षकों का अनुशासन कम ही चलता है। मां-बाप के टोकने पर वे दलील देते हैं कि ऑन लाइन पढ़ाई चल रही है। कोरोना संकट ने देश-दुनिया में ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प तो दिया, लेकिन तमाम तरह की विसंगतियां व विकृतियां भी किशोरों के जीवन में भर दी हैं। एक चौंकाने वाला आंकड़ा बताता है कि देश में सत्तर करोड़ भारतीय छह घंटे की नींद नहीं ले पाते। वहीं 46 प्रतिशत भारतीय छह घंटे से कम की नींद ले पाते हैं। लेकिन सबसे बड़ा संकट युवाओं व किशोरों से जुड़ा है। वे देर रात तक ऑनलाइन गेमों से जुड़े रहते हैं। रात में जाने-अनजाने दोस्त उनके सहभागी बनते हैं। जो कालांतर एक नशे की लत का रूप ले लेता है। परिजनों की रोक-टोक उन्हें रास नहीं आती। कई घटनाओं में उनके आक्रामक व्यवहार के घातक परिणाम सामने आए हैं। यहां तक कि नजदीकी परिजनों की हत्या की घटनाएं भी हुई हैं। दरअसल, ऑनलाइन खेलों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे किशोरों के लिये नशा बन जाते हैं। रात का एकांत उन्हें रास आता है। जिसके चलते वे नींद की परवाह नहीं करते। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया व ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर तमाम वर्जित व अश्लील सामग्री की रात्रि में भरमार रहती है। जिसकी चपेट में छोटे-बड़े लोग आ रहे हैं। युवा देर रात का एकांत तलाशते हैं ताकि परिजनों की अनुपस्थिति में वे मनमानी कर सकें। वे देर रात तक ऑनलाइन रहने में अपनी शान समझते हैं। यह भूल जाते हैं कि वास्तव में, वे अपनी सेहत से किस हद तक खिलवाड़ कर रहे हैं। चिकित्सा विशेषज्ञ चेतावनी देते रहे हैं अनिद्रा से उच्च रक्तचाप की समस्या पैदा हो रही है। जो कालांतर हाइपरटेंशन में बदल जाती है। दरअसल, शरीर की जैविक घड़ी के परिचालन में व्यवधान से शरीर नकारात्मक प्रतिक्रिया देता है। देर रात जागने और मोबाइल के नशे में किशोर असमय खाते-पीते हैं, जिससे उनमें मोटापे की समस्या भी घर कर रही है। यही वजह है कि अब किशोरों तक में डाइबिटीज की समस्या देखने में आ रही है। दरअसल, कुदरती सोने के समय का विकल्प देर रात या सुबह की नींद नहीं हो सकती है। यह संकट बड़ा है और अभिभावकों व शिक्षकों को किशोरों की देर रात जागने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये गंभीर प्रयास करने होंगे। अन्यथा देश को कालांतर अस्वस्थ युवा पीढ़ी का संत्रास झेलने को बाध्य होना पड़ेगा।

मायावती ने कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने के कांग्रेस के प्रस्ताव पर उठाया सवाल

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने कांग्रेस के इस प्रस्ताव पर शनिवार को सवाल उठाया कि यदि वह केंद्र में सत्ता में आती है तो बसपा के संस्थापक कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित किया जाएगा। मायावती ने देश भर के पार्टी कार्यकर्ताओं से अन्य राजनीतिक दलों, विशेष रूप से कांग्रेस द्वारा बसपा को कमजोर करने के प्रयासों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्र में कई वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने बी आर आंबेडकर को कभी उचित सम्मान नहीं दिया तो अब पार्टी कांशीराम को सम्मानित करने का प्रस्ताव कैसे रख सकती है। कांशीराम की जयंती रविवार को मनाई जाएगी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कांग्रेस ने दलितों के मसीहा और संविधान के प्रमुख निमार्ता बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को कभी उचित सम्मान नहीं दिया, न ही उन्हें भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित किया... तो अब वही पार्टी कांशीराम को कैसे सम्मानित कर सकती है? उनकी यह टिप्पणी लखनऊ में कांग्रेस द्वारा आयोजित संविधान सम्मेलन में पारित एक प्रस्ताव के एक दिन बाद आई है, जिसमें कहा गया कि सत्ता में आने पर पार्टी कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करेगी।

गर्मियों में चेहरे की चमक बढ़ाने के लिए अपनाएं ये आसान घरेलू उपाय

गर्मियों के मौसम में तेज धूप, पसीना और धूल-मिट्टी के कारण त्वचा जल्दी बेजान और रूखी दिखने लगती है। ऐसे में चेहरे की सही देखभाल करना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर आप भी गर्मियों में अपने चेहरे पर नेचुरल ग्लो बनाए रखना चाहती हैं, तो कुछ आसान घरेलू उपाय और सही स्किनकेयर अपनाकर त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाया जा सकता है।

एलोवेरा जेल लगाएं

गर्मियों में एलोवेरा त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह त्वचा को ठंडक देता है और सनबर्न से बचाने में भी मदद करता है। अगर आप रोजाना रात में सोने से पहले चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाते हैं, तो इससे त्वचा हाइड्रेट रहती है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो आने लगता है। नियमित इस्तेमाल से त्वचा मुलायम, ताजा और स्वस्थ दिखाई देती है।

खीरा और गुलाब जल

खीरा त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ उसे हाइड्रेट रखने में भी मदद करता है। गर्मियों में आप खीरे का रस निकालकर उसमें थोड़ा सा गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगा सकती हैं। यह मिश्रण त्वचा को ताजगी देता है, पसीने और धूप से होने वाली जलन को कम करता है और चेहरे को प्राकृतिक रूप से चमकदार बनाने में मदद करता है।

दही और शहद का फेस पैक

दही और शहद का फेस पैक त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की गहराई से सफाई करने में मदद करता है और उसे मुलायम बनाता है, जबकि शहद त्वचा को प्राकृतिक रूप से मॉइस्चराइज करता है। अगर आप दही और शहद को मिलाकर लगभग 15 मिनट तक चेहरे पर लगाती हैं, तो इससे त्वचा साफ, मुलायम और चमकदार नजर आने लगती है।

सनस्क्रीन लगाना न भूलें

गर्मियों में घर से बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लगाना बेहद जरूरी होता है। सनस्क्रीन त्वचा को सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाने में मदद करता है, जिससे टैनिंग, सनबर्न और स्किन डैमेज का खतरा कम हो जाता है। अगर आप नियमित रूप से सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं, तो आपकी त्वचा लंबे समय तक स्वस्थ, सुरक्षित और चमकदार बनी रहती है।

टमाटर का इस्तेमाल करें

टमाटर त्वचा के लिए एक बेहतरीन नेचुरल टोनर माना जाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन-सी त्वचा को साफ और ताजा बनाए रखने में मदद करते हैं। अगर आप टमाटर का रस या स्लाइस चेहरे पर हल्के हाथों से लगाते हैं, तो इससे धूप की वजह से हुई टैनिंग कम होती है और त्वचा का रंग भी साफ और चमकदार दिखाई देने लगता है। गर्मियों में चेहरे पर ग्लो लाने के लिए जरूरी है कि आप त्वचा को साफ रखें, पर्याप्त पानी पिएं और नेचुरल स्किनकेयर अपनाएं। एलोवेरा, खीरा, दही और शहद जैसे घरेलू उपाय त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ नेचुरल चमक भी देते हैं।

पत्ता गोभी के कीड़ों को ऐसे करें खत्म, ताकि न हों किसी बीमारी के शिकार

पत्ता गोभी में छिपे कीड़े शरीर में जाकर जान तक ले सकते हैं। इसलिए इसे बनाने से पहले अच्छी तरह साफ अवश्य करें। पत्ता गोभी साफ करने का सही तरीका आपको इस लेख में मिलेगा। सर्दी के मौसम में बाजार में काफी हरी सब्जियां मिलने लगती हैं। इन्हीं में शामिल है पत्ता गोभी.... पत्ता गोभी एक ऐसी सब्जी है, जो लगभग हर घर में इस्तेमाल की जाती है। इसकी मदद से घरों में सलाद, सब्जी, मंचूरियन और कई तरह की डिशेज बनाई जाती हैं। पर, क्या आप जानते हैं कि गोभी की परतों में छोटे-छोटे कीड़े छिपे हो सकते हैं। अगर इसे ठीक से साफ न किया जाए, तो ये कीड़े

शरीर में जाकर गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। कई मामलों में तो इन कीड़ों की वजह से लोगों की मौत तक हो गई है। इसलिए पत्ता गोभी को काटकर या पकाने से पहले अच्छी तरह साफ करना बेहद जरूरी है। गोभी को सिर्फ ऊपर से धो लेना काफी नहीं होता, क्योंकि कीड़े पत्तों की अंदरूनी परतों में छिपे रहते हैं। इस लेख में हम आपको पत्ता गोभी को सही तरीके से साफ करने का आसान और असरदार तरीका बताएंगे, जिससे आपकी सेहत सुरक्षित रहे और खाने का स्वाद भी बना रहे। अगर आप पत्ता गोभी को सही से साफ करना चाहते हैं तो इसे साफ करने की शुरूआत हमेशा उसकी बाहरी पत्तियों से करनी चाहिए। सबसे पहले पत्ता गोभी की ऊपर की 2 से 3 पत्तियां निकालकर अलग कर दें और फेंक दें, क्योंकि इन्हीं पत्तियों पर सबसे ज्यादा धूल, मिट्टी, कीटनाशक और छोटे कीड़े चिपके होते हैं। इसके बाद पत्ता गोभी को साफ चाकू की मदद से बीच से दो या चार हिस्सों में काट लें। ऐसा करने से अंदर की परतें खुल जाती हैं और छिपे हुए कीड़े आसानी से नजर आने लगते हैं। अब एक बड़े और गहरे बर्तन में साफ पानी भरें। इसमें एक से दो चम्मच नमक या फिर थोड़ा सा सिरका मिला दें। इस नमक या सिरके वाले पानी में पत्ता गोभी के कटे हुए टुकड़ों को पूरी तरह डुबोकर 10 से 15 मिनट के लिए छोड़ दें। इस दौरान नमक या सिरका का असर अंदर छिपे कीड़ों और बैक्टीरिया पर पड़ता है, जिससे वे पत्तियों से बाहर निकल आते हैं और पानी में तैरने लगते हैं। समय पूरा होने के बाद पत्ता गोभी को पानी से निकालें और साफ बहते पानी में 2 से 3 बार अच्छी तरह धोएं। ध्यान रखें कि हर पत्ती को थोड़ा खोलकर धोया जाए, ताकि कोई गंदगी या कीड़ा अंदर न रह जाए।

सिर्फ डायरिया ही नहीं, गंदा पानी पीने से इन गंभीर बीमारियों का भी बढ़ जाता है जोखिम

इंदौर से इन दिनों गंदा पानी पीने से कई लोगों के मौत के मामले सामने आ रहे हैं। ज्यादातर लोग डायरिया से परेशान हैं, लेकिन गंदा पानी कई अन्य गंभीर जानलेवा बीमारियों का जोखिम भी बढ़ा देता है, जिसके बारे में आपको जानना चाहिए। अक्सर

जब भी दूषित जल का जिक्र होता है, तो हमारा ध्यान सबसे पहले डायरिया या दस्त की ओर जाता है। लेकिन चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, गंदा पानी पीना केवल पेट खराब होने तक सीमित नहीं है, यह शरीर के महत्वपूर्ण अंगों पर हमला करने वाली कई जानलेवा बीमारियों का जोखिम कई गुना बढ़ा देता है। दूषित पानी में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस और परजीवी हमारे पाचन तंत्र से होते हुए रक्त प्रवाह में मिल जाते हैं। जब जल स्रोतों में सीवरेज का पानी या औद्योगिक अपशिष्ट मिल जाता है, तो वह पानी हैजा, टाइफाइड और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों का केंद्र बन जाता है। विशेषकर घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जहां पाइपलाइनों में लीकेज की समस्या होती है, वहां पानी का रंग भले ही साफ दिखे, लेकिन उसमें मौजूद सूक्ष्म जीव लीवर और आंतों को स्थायी नुकसान पहुंचा सकते हैं। डिहाइड्रेशन के साथ-साथ इन बीमारियों से होने वाला 'इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन' किडनी फेलियर और तंत्रिका तंत्र की समस्याओं का जोखिम भी कई गुना बढ़ा देता है। इसलिए पानी की शुद्धता को नजरअंदाज करना जानलेवा साबित हो सकता है।

टाइफाइड और हैजा

गंदा पानी टाइफाइड और हैजा का सबसे बड़ा कारण है। टाइफाइड 'साल्मोनेला टाइफी' बैक्टीरिया से होता है, जो तेज बुखार और आंतों में घाव कर सकता है। वहीं हैजा होने पर शरीर से पानी इतनी तेजी से निकलता है कि घंटों के भीतर मरीज की स्थिति नाजुक हो सकती है। ये दोनों बीमारियां दूषित जल के जरिए एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में बहुत तेजी से फैल सकती हैं।

हेपेटाइटिस अ और ए

अशुद्ध पानी पीने से हेपेटाइटिस ए और ई जैसे वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ये वायरस सीधे लीवर पर हमला करते हैं, जिससे पीलिया, भूख न लगना और अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखते हैं। हेपेटाइटिस ई विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। लीवर में होने वाली यह सूजन लंबे समय तक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है, जिससे रिकवरी में महीनों लग जाते हैं।

पेचिश और पेट के कीड़े

दूषित पानी में मौजूद परजीवी पेचिश और पेट में कीड़ों की समस्या पैदा करते हैं।

अधिकतर महिलाओं में होती है इन चार पोषक तत्वों की कमी, इनके लक्षणों से कर सकते हैं पहचान

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हमारे देश की ज्यादातर महिलाएं आयरन की कमी से परेशान हैं। इसके अलावा भी कई ऐसे पोषक तत्व हैं जिनकी कमी कई महिलाओं में देखने को मिलती हैं। आइए इस लेख में उन्हीं पोषक तत्वों के कमी के लक्षणों के बारे में विस्तार से जानते हैं। भारत में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर एक गंभीर चिंता का विषय उनके शरीर में कुछ आवश्यक पोषक तत्वों की भारी कमी है। अक्सर घर और कामकाज की जिम्मेदारियों के बीच महिलाएं अपनी डाइट और सेहत को नजरअंदाज कर देती हैं, जिसके परिणाम लंबे समय में बेहद घातक हो सकते हैं। पोषण की यह कमी केवल शारीरिक कमजोरी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हार्मोनल असंतुलन, मानसिक तनाव और गंभीर बीमारियों का आधार बनती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि आधे से अधिक भारतीय महिलाएं एनीमिया यानी आयरन की कमी से जूझ रही हैं। इसके अलावा विटामिन-डी, विटामिन-बी12 और कैल्शियम की कमी उन्हें समय से पहले हड्डियों की बीमारी और तंत्रिका तंत्र की समस्याओं की ओर धकेल रही है। शरीर इन कमियों को कुछ खास संकेतों और लक्षणों के माध्यम से प्रकट करता है, जिन्हें अगर समय रहते पहचान लिया जाए, तो केवल आहार में सुधार करके एक स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। इन पोषक तत्वों की कमी को समझना और उनके लक्षणों के प्रति जागरूक होना हर महिला के लिए अपनी सेहत की सुरक्षा की पहली सीढ़ी है। आइए इस लेख में उन्हीं लक्षणों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

आयरन की कमी

आयरन की कमी या एनीमिया महिलाओं में सबसे आम है। इसका मुख्य लक्षण बिना किसी भारी काम के भी अत्यधिक थकान, सांस फूलना और त्वचा का पीला पड़ना है। आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन बनाता है जो ऑक्सीजन पहुंचाता है। इसकी कमी होने पर एकाग्रता में कमी और हाथ-पैर ठंडे रहने की समस्या भी होती है। इससे बचाव के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, गुड़ और अनार को डाइट में शामिल करना चाहिए।

कैल्शियम और विटामिन-ऊकी कमी

ज्यादातर महिलाओं को पीठ दर्द, जोड़ों में जकड़न और मांसपेशियों में ऐंठन की शिकायत रहती है, जो कैल्शियम और विटामिन-ऊकी कमी का संकेत है। विटामिन-ऊ के बिना शरीर कैल्शियम को सोख नहीं पाता, जिससे हड्डियां खोखली होने लगती हैं। अगर आपके नाखूनों में सफेद निशान हैं या दांत कमजोर हो रहे हैं, तो धूप में समय बिताने के साथ-साथ डेयरी उत्पादों का सेवन बढ़ाएं।

विटामिन-इ12 की कमी

विटामिन-इ12 की कमी नसों और मस्तिष्क को प्रभावित करती है। अगर आपको अक्सर हाथों-पैरों में सुई चुभने जैसी झनझनाहट, चक्कर आना या बार-बार भूलने की बीमारी हो रही है, तो यह इ12 की कमी हो सकती है। शाकाहारी महिलाओं में यह कमी अधिक देखी जाती है क्योंकि यह विटामिन मुख्य रूप से पशु उत्पादों में मिलता है। इसकी कमी से मूड स्विंग्स और चिड़चिड़ापन भी बढ़ जाता है।

नियमित जांच और संतुलित आहार

इन पोषक तत्वों की कमी को दूर करने के लिए केवल सप्लीमेंट्स पर निर्भर रहने के बजाय नेचुरल फूड प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता दें। साल में कम से कम एक बार कंप्लीट ब्लड काउंट और विटामिन प्रोफाइल टेस्ट जरूर कराएं। अपनी आहार में विविधता लाएं और शरीर के संकेतों को अनसुना न करें। ध्यान रखें एक स्वस्थ महिला ही एक स्वस्थ परिवार और समाज की नींव होती है।

हल्दी पानी में मिलाकर पिएं ये चीज, शरीर से साफ होगा सारा टॉक्सिन

सुस्ती और कमजोरी अक्सर सामान्य लगती हैं, लेकिन यदि आप रोजाना थकान, ज्यादा नींद या कमजोरी महसूस कर रहे हैं, तो यह शरीर में टॉक्सिन बढ़ने का संकेत हो सकता है। ऐसे में बॉडी डिटॉक्स करना बेहद जरूरी है। आयुर्वेद में इसका आसान और असरदार उपाय बताया गया है, हल्दी, त्रिफला, गिलोय और शहद मिलाकर तैयार किया गया टॉनिक। इसे सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ लेने से शरीर हल्का, स्वस्थ और तरोताजा महसूस करता है।

क्यों होती है सुस्ती और कमजोरी

मार्च के महीने में मौसम बदलने की वजह से अक्सर लोगों को सुस्ती, बेचैनी और कमजोरी महसूस होती है। लेकिन आयुर्वेद के अनुसार हर बार इसका कारण मौसम नहीं होता। जब शरीर में

टॉक्सिन (आम) बढ़ जाते हैं, तो पाचन और ऊर्जा प्रभावित होती है, जिससे शरीर कमजोर और थका हुआ महसूस करता है।

पूरी नींद होने के बाद भी महसूस होती है कमजोरी तो हो सकती है इस एक विटामिन की कमी

डिटॉक्स के लिए आयुर्वेदिक टॉनिक आयुर्वेद में शरीर को डिटॉक्स करने के लिए कई उपाय बताए गए हैं, जिनमें सबसे आसान है यह टॉनिक सामग्री हल्दी त्रिफला गिलोय शहद गुनगुना पानी तरीका सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में हल्दी, त्रिफला और गिलोय डालें।

इसमें थोड़ी मात्रा में शहद मिलाएं।

धीरे-धीरे पीएं।

यह टॉनिक शरीर से टॉक्सिन निकालने, पाचन सुधारने और ऊर्जा बढ़ाने में मदद करता है।

सुबह खाली पेट हल्दी का पानी पीने के 7 गजब के फायदे

पाचन तंत्र की सफाई जरूरी

त्रिफला, गिलोय और हल्दी पाचन तंत्र, आंत और लिवर को संतुलित रखने में मदद करते हैं। जब पाचन सही रहता है, तो शरीर की प्राकृतिक सफाई की प्रक्रिया भी बेहतर होती है।

त्रिफलाः आंतों की सफाई करता है और मल को आसानी से बाहर निकालने में मदद करता है।

गिलोयः वात, पित्त और कफ को संतुलित करता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और पेट व लिवर को स्वस्थ रखता है।

हल्दीः रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती है और हानिकारक बैक्टीरिया को कम करती है।

शहदः जड़ी-बूटियों के असर को बढ़ाता है।

इसके अलावा, नींबू, अदरक या सौंठ को गुनगुने पानी में मिलाकर लेने से भी पाचन ठीक रहता है।

सावधानी बरतें

जोड़ों की गंभीर समस्या वाले लोग, गर्भवती महिलाएं या बच्चे इसे लेने से पहले डॉक्टर या विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। बच्चों को यह टॉनिक देने से पहले विशेषज्ञ की अनुमति लेना जरूरी है। सुस्ती और कमजोरी को दूर करने के लिए हल्दी, त्रिफला, गिलोय और शहद वाला यह आयुर्वेदिक टॉनिक आसान, असरदार और प्राकृतिक उपाय है। इसे नियमित रूप से सुबह खाली पेट लेने से शरीर हल्का, पाचन मजबूत और ऊर्जा बढ़ी हुई महसूस होती है।

कब्ज और गैस को तुरंत बाहर निकालने में मदद करते हैं ये 3 फल

आजकल गलत खानपान, कम पानी पीना और बैठे रहने वाली लाइफस्टाइल की वजह से कब्ज की समस्या आम हो गई है। पेट साफ न होना न सिर्फ असहज करता है, बल्कि गैस, भारीपन और थकान भी बढ़ाता है। ऐसे में कुछ फल ऐसे हैं, जो नेचुरल तरीके से आंतों की सफाई में मदद करते हैं और कब्ज से राहत दिलाते हैं।

पपीताः पाचन का सबसे अच्छा दोस्त

पपीता कब्ज के लिए सबसे असरदार फलों में से एक माना जाता है। इसमें मौजूद पपेन एंजाइम पाचन को बेहतर बनाता है और आंतों की मूवमेंट को तेज करता है। रोज सुबह खाली पेट एक कटोरी पका पपीता खाने से मल नरम होता है और पेट

आसानी से साफ होने लगता है। यह पेट की सूजन और भारीपन को भी कम करता है।

पपीता सेहत के लिए लाभकारी, लेकिन इन लोगों के लिए खतरनाक !

नाशपातीः फाइबर से भरपूर फल

नाशपाती में अच्छी मात्रा में डायटरी फाइबर और पानी होता है, जो आंतों को एक्टिव रखता है। यह फल मल को आंतों से खींचकर बाहर निकालने में मदद करता है। जिन लोगों को बार-बार कब्ज रहती है, उनके लिए नाशपाती का नियमित सेवन काफी फायदेमंद हो सकता है। इसे छिलके समेत खाना ज्यादा लाभकारी माना जाता है। सेबः रोज खाइए, पेट साफ रखिए सेब में मौजूद घुलनशील फाइबर (पेक्टिन) पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यह आंतों में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाता है, जिससे कब्ज की समस्या धीरे-धीरे कम होने लगती है।

स्कूल से घर लौट रही बीए छात्रा से मोबाइल छीना,सीसीटीवी में कैद हुई घटना

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के कृष्णानगर इलाके में शुक्रवार दोपहर दिनदहाड़े बाइक सवार दो बदमाशों ने बीए सेकंड ईयर की छात्रा से मोबाइल छीन लिया। वारदात जनता डेयरी के सामने करीब दोपहर 1 बजे हुई। पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस सीसीटीवी की मदद से जांच कर रही है। मानस नगर कृष्णानगर निवासी पूजा (20) पुत्री सुनील कुमार केकेवी कॉलेज में बीए सेकंड ईयर की छात्रा है। शुक्रवार को वह कॉलेज से घर लौट रही थी। इसी दौरान जनता डेयरी के सामने बाइक सवार दो युवक आए और बात कर रही छात्रा के हाथ से मोबाइल छीनकर फरार हो गए। घटना के बाद आसपास के लोगों ने पीछा करने की कोशिश की लेकिन बदमाश तेज रफ्तार में भाग निकले। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने छात्रा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना को 24 घंटे से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन आरोपी अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। घटना के बाद दो युवकों की तस्वीर सीसीटीवी में कैद हुई है। जिसमें बाइक सवार दो लड़के जाते दिखाई दे रहे हैं। छात्रा का दावा है इन्हीं लड़कों ने मोबाइल छीनने की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस सीसीटीवी की मदद से आरोपियों की पहचान कर रही है।

सलमान आगा के रन आउट पर मेहदी हसन ने दी प्रतिक्रिया, विवाद को किया खारिज

ढाका। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरे वनडे मैच के दौरान जिस तरह से सलमान आगा रन आउट हुए उससे विवाद खड़ा हो गया था। अब मेहदी हसन मिराज ने इस मामले पर राय रखी और किसी भी तरह के विवाद को खारिज किया। बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला गया। इस मैच में पाकिस्तान ने जीत हासिल कर सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। यह मैच परिणाम से ज्यादा सलमान अली आगा के रन आउट के तरीके को लेकर चर्चा में है। आगा को जिस तरह आउट किया गया उसे खेल भावना के खिलाफ माना जा रहा है। नाटकीय अंदाज में रन आउट हुए थे आगा मैच के दौरान सलमान नाटकीय अंदाज में रन आउट हुए। मैदान पर मौजूद सभी लोग यह वाक्या देखकर चौंक गए। बांग्लादेश

के कप्तान मिराज ने जिस तरह से सलमान को रन आउट किया उसने एक नई बहस छेड़ दी है। यह घटना पाकिस्तान पारी के 39वें ओवर में घटी। मेहदी हसन मिराज की गेंद चौथी गेंद पर मोहम्मद रिजवान ने शॉट खेला। गेंद को रोकने के लिए मिराज आगे बढ़े और अपने पैर से उन्होंने इसे रोका। इस दौरान नॉन स्ट्राइकर एंड पर खड़े सलमान आगा क्रीज से बाहर निकले हुए थे। चूंकि गेंद सलमान आगा के पास रुक गई थी तो उन्हें लगा कि गेंद पूरी हो गई है। लेकिन मिराज ने तत्परता दिखाते हुए गेंद को स्टंप्स की ओर मारा और रन आउट की अपील कर दी। मेहदी हसन से उलझे आगा सलमान इससे चौंक गए, लेकिन वह क्रीज से बाहर थे और इस कारण तीसरे अंपायर ने उन्हें आउट दिया। इससे सलमान बौखला गए और उन्होंने गुस्से में हेलमेट मैदान पर फेंक दिया और गुस्से से ड्रेसिंग रूम की ओर लौटे। पवेलियन लौटने से पहले सलमान ने मिराज के साथ बहस की, लेकिन बांग्लादेशी कप्तान उन्हें समझाते नजर आए। फैसले को खेल भावना के विपरीत माना जा रहा है। मेहदी हसन मिराज बांग्लादेश के कप्तान भी हैं। मैच के बाद इस घटना पर उन्होंने कहा, मेरा इरादा केवल गेंद को रोकने और संभावित रन को बचाने का था। वह क्रीज से बाहर थे और मैं सिर्फ गेंद की तरफ जा रहा था। अगर मैं गेंद को मिस कर देता तो वह आसानी से रन ले सकते थे, इसलिए मैंने स्टंप्स पर थ्रो करने का फैसला किया। रमीज राजा ने भी उठाए सवाल पाकिस्तान के खिलाड़ी भी इस फैसले से नाराज दिखे। आगा ने गुस्से में अपने ग्लव्स और हेलमेट फेंक दिए और बांग्लादेशी खिलाड़ियों के लिए तीखे शब्द भी कहे। कमेंट्री कर रहे पूर्व पाकिस्तानी कप्तान रमीज राजा ने भी इस घटना पर नाराजगी जताते हुए कहा कि क्रिकेट में खेल भावना सबसे महत्वपूर्ण होती है। मैच की बात करें तो टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने माज सदाकत (75), आगा (64) और मोहम्मद रिजवान (44) की मदद से 274 रन बनाए थे। बारिश की वजह से बांग्लादेश को डीएलएस नियम के तहत 32 ओवर में 243 रन का संशोधित लक्ष्य दिया गया था। बांग्लादेश 114 रन पर सिमट गई और 128 रन के बड़े अंतर से मैच हार गई।

दूसरे वनडे मैच के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए पाकिस्तान के हुसैन तलत

ढाका। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे वनडे मैच के दौरान पाकिस्तान के ऑलराउंडर हुसैन तलत गंभीर रूप से चोटिल हो गए। उनकी सेहत को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बयान जारी किया है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरा वनडे मुकाबला शेर-ए-बांग्ला क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। पाकिस्तान के ऑलराउंडर हुसैन तलत फील्डिंग करते हुए बुरी तरह चोटिल हो गए। हुसैन तलत को कंधे में चोट लगी, जिसके कारण उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। हुसैन तलत को यह चोट मैच की दूसरी पारी के छठे ओवर में लगी, जब लिटन दास ने मोहम्मद वसीम की गेंद पर ऑफ साइड की तरफ शॉट मारा और तलत गेंद को रोकने के लिए कवर बाउंड्री की तरफ दौड़े। स्ट्रेचर के द्वारा मैदान से ले जाया गया बाहर गेंद बाउंड्री के पास पहुंचने पर तलत ने गेंद को पीछे की तरफ फेंकने का प्रयास किया, लेकिन गेंद को छूते ही उनका पैर बाउंड्री पर लगे फोम पर पड़ गया। इसके बाद वह लड़खड़ाते हुए विज्ञापन वाले होर्डिंग्स से जा टकराए और अपने बाएं कंधे के बल जमीन पर गिर पड़े। वहां मौजूद मैदानकर्मी तुरंत तलत की तरफ दौड़े, जिसके बाद उन्हें पास खड़ी एम्बुलेंस तक ले जाने के लिए एक स्ट्रेचर लाया गया। पीसीबी ने चोट पर दिया अपडेट पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हुसैन तलत की चोट को लेकर एक बयान जारी किया है। उन्होंने बताया, हुसैन तलत को मैदान पर ही टीम के मेडिकल स्टाफ से तुरंत सहायता मिली। शुरूआती आकलन के बाद, उन्हें विस्तृत जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। चोट की प्रकृति और गंभीरता का पता डॉक्टरों द्वारा आगे की मेडिकल जांच पूरी करने के बाद चलेगा। पाकिस्तान ने जीता दूसरा वनडे तलत बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 13 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ नौ रन बनाकर आउट हुए। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की पूरी टीम 274 रन बनाकर ऑलआउट हुई। बारिश की वजह से बांग्लादेश को डीएलएस नियम के तहत 32 ओवर में 243 रन का संशोधित लक्ष्य दिया गया था।

पीएसएल को नजरअंदाज करने पर बौखलाया पाकिस्तान, मुजरबानी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी में पीसीबी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। मुजरबानी ने पीएसएल की जगह आईपीएल को प्राथमिकता देने का फैसला किया, जो पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा है। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी ने आईपीएल को तवज्जो देते हुए पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने से इनकार कर दिया था। अब पाकिस्तान मुजरबानी के इस फैसले से बौखला गया है और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। दरअसल, कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने मुजरबानी को अपनी टीम में शामिल किया था, जिसके बाद जिम्बाब्वे के इस तेज गेंदबाज ने पीएसएल की फ्रेंचाइजी इस्लामाबाद यूनाइटेड को अपनी अनुपलब्धता के बारे में सूचित कर दिया था। इस्लामाबाद युनाइटेड ने मुजरबानी से किया था करार मुजरबानी इससे पहले पीएसएल में मुल्तान सुल्तान को खिताब दिला चुके हैं। उन्हें 11 फरवरी को पीएसएल की नीलामी में किसी ने नहीं खरीदा था, लेकिन बाद में इस्लामाबाद फ्रेंचाइजी ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ की जगह मुजरबानी के साथ करार किया था। हालांकि, केकेआर के साथ करार करने के बाद मुजरबानी ने आईपीएल में ही खेलने का फैसला किया। पाकिस्तान को रास नहीं आया फैसला मुजरबानी का यह फैसला पाकिस्तान को जरा भी रास नहीं आया है। समाचार एजेंसी आईएएनएस के अनुसार, पीसीबी मुजरबानी के फैसले को करार के उल्लंघन के रूप में देख रही है और कानूनी कार्रवाई के लिए विकल्पों पर विचार कर रही है। यह लगातार दूसरा साल है जब किसी खिलाड़ी ने पीएसएल करार पहले से होने के बावजूद आईपीएल को प्राथमिकता दी है। पिछले सीजन दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कॉर्बिन बॉश ने भी ऐसा ही कदम उठाया था। उन्हें पेशावर जाल्मी ने चुना था। बाद में वह आईपीएल की टीम मुंबई इंडियंस से जुड़ गए थे। मुजरबानी ने किया था प्रभावित ब्लेसिंग मुजरबानी ने हाल में संपन्न टी20 विश्व कप 2026 में शानदार गेंदबाजी की थी और जिम्बाब्वे को सुपर-8 में पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। मुजरबानी ने 13 विकेट लिए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुजरबानी के चार विकेट ने ही जिम्बाब्वे को ग्रुप स्टेज में जीत दिलाई थी। आईपीएल और पीएसएल का सत्र एक बार फिर टकरा रहा है। आईपीएल 28 मार्च से शुरू हो रहा है, जबकि पीएसएल 26 मार्च से तीन मई तक प्रस्तावित है।

क्या आईपीएल से पहले केकेआर को लगेगा झटका? गेंदबाज हर्षित राणा का टूनार्मेंट में खेलना तय नहीं

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने को है, लेकिन इससे पहले ही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की चिंता बढ़ गई है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज हर्षित राणा अब तक फिट नहीं हो सके हैं और उनका टूनार्मेंट में खेलना तय नहीं है। तीन बार की चैंपियन

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को आईपीएल 2026 से पहले झटका लग सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, टीम के तेज गेंदबाज हर्षित राणा अभी फिट नहीं हो सके हैं जिस कारण उनका टूनार्मेंट में खेलना संदिग्ध है। बताया ये भी जा रहा है कि हर्षित आईपीएल से बाहर हो गए हैं, लेकिन अब तक इसे लेकर फ्रेंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। टी20 विश्व कप में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे हर्षित हर्षित को टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच के दौरान चोट लगी थी। उन्होंने उस मैच में एक ओवर डाला था, लेकिन दर्द के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। इसके बाद हर्षित टी20 विश्व कप से बाहर हो गए थे और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया था। हर्षित को घुटने में चोट लगी है और इससे पूरी तरह उबरने के लिए उन्हें रिहैब की जरूरत है। हर्षित केकेआर टीम के अहम सदस्य हैं। उन्होंने 2024 में 19 विकेट लिए थे जो उस सीजन किसी अनकैप्ड गेंदबाज द्वारा सर्वाधिक विकेट था। हर्षित ने उस सीजन टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसके बाद हर्षित ने पिछले आईपीएल सीजन में 15 विकेट झटके थे। अगर हर्षित आईपीएल से पहले फिट नहीं हो पाते हैं तो केकेआर को झटका लग सकता है। आईपीएल 2026 का आगामी सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है और केकेआर अपने अभियान की शुरूआत 29 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। केकेआर ने ब्लेसिंग मुजरबानी से किया करार केकेआर ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी के साथ करार किया है। केकेआर ने शुक्रवार को मुजरबानी को टीम में लेने की पुष्टि कर दी थी। आईपीएल में खेलने के कारण मुजरबानी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में इस्लामाबाद युनाइटेड के लिए नहीं खेल सकेंगे। मुजरबानी हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उन्होंने छह मैचों में 13 विकेट झटके थे। 29 वर्षीय मुजरबानी पिछले साल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में चोटिल लुंगी एनगिडी के रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल हुए थे, लेकिन उन्हें एक मैच में भी खेलने का मौका नहीं मिला था। माना जा रहा है कि मुजरबानी 17 मार्च को कोलकाता पहुंचेंगे।

वंशिका के साथ आज शादी के बंधन में बंधेंगे कुलदीप चहल सहित कई क्रिकेटर होंगे शामिल

मसूरी। भारतीय टीम के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव आज वंशिका के साथ शादी के बंधन में बंध जाएंगे। दोनों की शादी के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव शनिवार की शाम शादी के बंधन में बंध जाएंगे। कुलदीप अपनी मंगेतर वंशिका चड्ढा के साथ शादी रचाने वाले हैं। शादी मसूरी में होगी। कुलदीप और वंशिका के परिवार विवाह स्थल पर पहुंच चुके हैं। इन दोनों के प्री वेडिंग कार्यक्रम

भी शुरू हो चुके हैं। शुक्रवार को मेहंदी और संगीत सेरेमनी थी जिसमें कुलदीप जमकर थिरके थे। शादी के लिए तैयारियों जोर-शोर से जारी शादी समारोह के लिए होटल को फूलों, रोशनी और पारंपरिक सजावट से विशेष रूप से सजाया गया है। होटल प्रबंधन ने मेहमानों के स्वागत और आतिथ्य के लिए बड़े स्तर पर व्यवस्थाएं की हैं। मेहमानों के लिए पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ उत्तराखंडी खाने का भी खास इंतजाम किया गया है। शादी में भारतीय क्रिकेट टीम के कई बड़े खिलाड़ियों के पहुंचने की उम्मीद है, इसलिए आयोजन स्थल की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। होटल परिसर में केवल आमंत्रित मेहमानों को ही प्रवेश दिया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और होटल प्रबंधन ने कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। संगीत सेरेमनी में रैना-चहल आए नजर इससे पहले शुक्रवार को कुलदीप और वंशिका की मेहंदी और संगीत सेरेमनी हुई। संगीत सेरेमनी में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, युजवेंद्र चहल थिरकते हुए नजर आए। रैना ने कुलदीप यादव के साथ भी डांस किया। भारतीय टीम के फील्डिंग कोच टी. दिलीप भी संगीत सेरेमनी में उपस्थित रहे। वहीं, टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा रहे रिंकू सिंह भी अपनी मंगेतर प्रिया सरोज के साथ कुलदीप की शादी में शिरकत करने मसूरी पहुंच गए हैं। लखनऊ में 17 मार्च को कुलदीप यादव और वंशिका का रिसेप्शन रखा गया है। बता दें कि कुलदीप औप वंशिका दोनों बचपन से एक दूसरे को जानते हैं। वंशिका ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न से पढ़ाई की है।

विश्वकप ट्रॉफी के साथ सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे कप्तान सूर्यकुमार और कोच गंभीर

मुंबई। भारत की टी20 विश्व कप 2026 की खिताबी जीत का जश्न जारी है। शनिवार को आईसीसी अध्यक्ष जय शाह, मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव ट्रॉफी के साथ सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे और भगवान गणेश के दर्शन किए। न्यूजीलैंड को हराकर टीम इंडिया ने हाल ही में लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने कीवियों

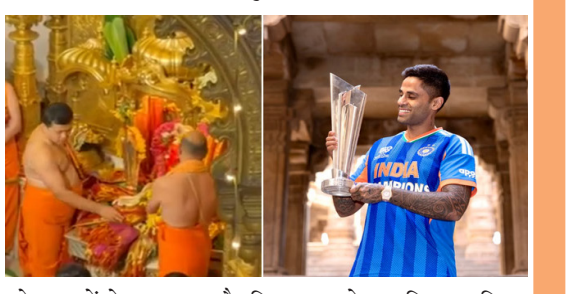

को 96 रनों से हराया था और खिताब अपने नाम किया। शनिवार को आईसीसी अध्यक्ष जय शाह, टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ट्रॉफी के साथ मुंबई स्थित सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे और दर्शन किए। भारत ने तीसरी बार जीता था खिताब भारतीय टीम ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में रिकॉर्ड तीसरी बार टी20 विश्व कप को अपने नाम किया था। इसके साथ ही भारत घरेलू सरजमीं पर टी20 विश्व कप का खिताब जीतने वाला पहला देश भी बना। भारतीय टीम टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाली भी दुनिया की पहली टीम बनी थी। सूर्यकुमार के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पांच साल पूरे भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पांच साल पूरे कर लिए हैं। सूर्यकुमार ने 14 मार्च 2021 को इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू किया था। भारत ने हाल ही में सूर्यकुमार की कप्तानी में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। सूर्यकुमार ने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है और अपनी यात्रा के पल को साझा किया है।

कुलदीप की शादी में सितारों का जमावड़ा, रिंकू और रैना के साथ नजर आए फील्डिंग कोच दिलीप

मसूरी। टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव आज अपनी बचपन की दोस्त वंशिका चढ्ढा के साथ शादी के बंधन में बंध जाएंगे। मसूरी के आलीशान होटल में दोनों सात फेरे लेंगे और नई पारी की शुरूआत करेंगे। समारोह में क्रिकेट जगत के तमाम दिग्गजों का जमावड़ा लगा है। आइये तस्वीरें देखते हैं... भारतीय टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव आज नई पारी की शुरूआत करने जा रहे हैं। मसूरी में वह बचपन की दोस्त वंशिका के साथ शादी रचाएंगे। इस समारोह में शामिल होने के लिए पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, युजवेंद्र चहल सहित कई हस्तियां पहुंची हैं। शादी के लिए तैयारियों जोर-शोर से जारी कुलदीप और वंशिका की शादी के प्री वेडिंग कार्यक्रम फिलहाल जारी हैं। शुक्रवार को मेहंदी और संगीत सेरेमनी थी जिसमें कुलदीप जमकर थिरके थे। शादी समारोह के लिए होटल को फूलों, रोशनी और पारंपरिक सजावट से विशेष रूप से सजाया गया है। होटल प्रबंधन ने मेहमानों के स्वागत और आतिथ्य के लिए बड़े स्तर पर व्यवस्थाएं की हैं। मेहमानों के लिए पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ उत्तराखंडी खाने का भी खास इंतजाम किया गया है। शादी में भारतीय क्रिकेट टीम के कई बड़े खिलाड़ियों के पहुंचने की उम्मीद है, इसलिए आयोजन स्थल की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। होटल परिसर में केवल आमंत्रित मेहमानों को ही प्रवेश दिया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और होटल प्रबंधन ने कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। संगीत सेरेमनी में रैना-चहल आए नजर इससे पहले शुक्रवार को कुलदीप और वंशिका की मेहंदी और संगीत सेरेमनी हुई। संगीत सेरेमनी में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, युजवेंद्र चहल थिरकते हुए नजर आए। रैना ने कुलदीप यादव के साथ भी डांस किया।

सुरेश रैना ने सैमसन को इस स्थान पर उतरने की दी सलाह, बोले- सीएसके का बल्लेबाजी क्रम संतुलित होगा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर सुरेश रैना का मानना है कि सीएसके लिए संजू सैमसन को ओपनिंग के बजाए तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतरना चाहिए। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी रहे सुरेश रैना ने कहा है कि संजू सैमसन को टीम के लिए तीन नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। रैना का मानना है कि तीन नंबर पर खेलते हुए वह टीम के बल्लेबाजी क्रम को संतुलन देंगे। सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से सैमसन को ट्रेड किया था और वह इस सीजन सीएसके के लिए खेलेंगे। रैना बोले- गायकवाड़-म्हात्रे करें पारी की शुरूआत सुरेश रैना ने कहा कि सीएसके के लिए ऋतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे को पारी की शुरूआत करनी चाहिए। सैमसन को बल्लेबाजी यूनिट को संभालने और शीर्ष क्रम को मजबूत करने के लिए नंबर 3 पर बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए। रैना ने कहा, सैमसन इतने वर्षों तक राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रहे। मुझे लगता है कि सीएसके में उनका रोल साफ होगा। गायकवाड़ और म्हात्रे पारी की शुरूआत करें और संजू नंबर तीन पर खेलें तो अच्छा होगा, क्योंकि तब डेवाल्ड ब्रेविस नंबर चार पर आएंगे, शिवम दुबे नंबर पांच पर आएंगे और उसके बाद एमएस धोनी आएंगे। मुझे लगता है कि वह सिर्फ आखिरी दो या तीन ओवर ही खेलेंगे। रैना ने बतौर विकेटकीपर संजू सैमसन का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'संजू विकेटकीपर के तौर पर वहां रहेंगे। हमने देखा कि जब वह विश्व कप में खेले तो उन्होंने कैसा माहौल बनाया।' रैना सीएसके के लिए तीन नंबर पर ही बल्लेबाजी करते थे और टीम की बल्लेबाजी का मुख्य स्तंभ थे। रैना के बाद टीम को उनके जैसे बल्लेबाज की इस क्रम पर तलाश है। टी20 विश्व कप में दमदार रहा सैमसन का प्रदर्शन सैमसन को आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले सीएसके ने रवींद्र जडेजा और सैम करन की जगह राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड किया था। सैमसन के पास आईपीएल का लंबा अनुभव है। वह 177 आईपीएल मैचों में 30.95 की औसत से 4704 रन बना चुके हैं। इस दौरान तीन शतक और 26 अर्धशतक उनके बल्ले से निकले हैं। संजू सैमसन का टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन रहा था और उनकी बल्लेबाजी भारत के चैंपियन बनने का मुख्य कारण रही। वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में नाबाद 97, सेमीफाइनल में 89 और फाइनल में 89 रन की सैमसन की पारी ने भारत को चैंपियन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी।

ऑफिस में यौन उत्पीड़न की शिकायत, घर बैठे करें,शी-बॉक्स पोर्टल से मिलेगी सुरक्षा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में यदि कोई महिला कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न का शिकार हो रही है तो सीधे इसकी शिकायत कर सकती है। अब शिकायत दर्ज करना बहुत आसान, सुरक्षित और पूरी तरह गोपनीय हो गया है। भारत सरकार का शी-बॉक्स (सेक्सुएल हरेस्मेंट बाक्स) पोर्टल महिलाओं के हितों को देखते हुए उन्हें सुरक्षा की गारंटी दे रहा। जहां वे बिना किसी डर के घर बैठे शिकायत दर्ज कर सकती हैं। यह पोर्टल महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित है और 2013 के पीओएसएच एक्ट (कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम) के तहत काम करता है। सरकारी, निजी, संगठित या असंगठित क्षेत्र की सभी महिलाएं (स्थायी, अस्थायी, कॉन्ट्रैक्ट, इंटर्न या विजिटर) इसका फायदा उठा सकती हैं। घर बैठे मोबाइल और कंप्यूटर से ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जा सकती है। इसमें आपकी व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित रहेगी। हिंदी, अंग्रेजी समेत कई भाषाओं में यह उपलब्ध है। शिकायत सीधे संबंधित अधिकारी को जाती है। ऑफिस की आंतरिक समिति (बाईसी) या जिला स्तर की स्थानीय समिति (एलसी) इसकी जांच करती है।

हंसिका के तलाक पर मुस्कान ने किया तंज

बोलीं- 'किसी की झूठी दुनिया..'

हंसिका मोटवानी के भाई प्रशांत मोटवानी की पूर्व पत्नी मुस्कान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने हंसिका पर निशाना साधा और फैंस से अपील की कि उन्हें किसी और के निजी जीवन से दूर रखा जाए। हंसिका मोटवानी और सोहेल कथूरिया का तीन साल की शादी के बाद तलाक हो गया है। इस मामले को कई सोशल मीडिया यूजर्स हंसिका के भाई प्रशांत और उनकी पूर्व पत्नी मुस्कान नैंसी जेम्स की शादी टूटने से जोड़ रहे थे। अब मुस्कान ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा कर खुद को इन सब से दूर रखने की बात कही। जानें उन्होंने क्या कहा? शुक्रवार को मुस्कान नैंसी जेम्स ने सोशल मीडिया पर अपनी ननद हंसिका पर निशाना साधते हुए एक स्टोरी शेयर की। पहले तो उन्होंने लोगों से अपील की उन्हें किसी और के निजी जीवन के ड्रामे में न घसीटा जाए। फिर आगे उन्होंने लिखा, 'किसी की सरासर झूठी दुनिया से मुझे न जोड़ें। इंतजार करें, हर सच का खुलासा हो जाएगा। सब समय का खेल है।' हंसिका ने किया था क्रिप्टिक पोस्ट हाल ही में हंसिका ने भी अपने तलाक के बाद एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की थी। उन्होंने लिखा, 'हमेशा चढ़दी कला'। इसका मतलब मुश्किल समय में भी हौसला, आशा और सकारात्मक रहना चाहिए होता है। अभी तक हंसिका और सोहेल ने अपने तलाक पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

नए टैलेंट को मिलेगा बड़ा मंच! एकता कपूर ने लॉन्च की टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी हुनर

भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में नए कलाकारों को मौका देने के लिए मशहूर प्रोड्यूसर मजं झंचववत ने एक नया कदम उठाया है। उनकी कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने आधिकारिक तौर पर हुनर नाम की नई टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी लॉन्च करने की घोषणा की है। यह पहल खास तौर पर उन कलाकारों और क्रिएटर्स के लिए तैयार की गई है जो एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। हुनर का उद्देश्य टैलेंट को सही प्लेटफॉर्म देना और कहानी कहने व परफॉर्मेंस के कल्चर को मजबूत करना

है।हुनर के जरिए बॉलीवुड और भारतीय टेलीविजन के मशहूर एक्टर्स और क्रिएटर्स को एक साथ लाने की योजना है। यह प्लेटफॉर्म न सिर्फ कलाकारों की आर्टिस्टिक ग्रोथ पर काम करेगा, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री में बेहतर अवसर दिलाने में भी मदद करेगा। बालाजी की लंबे समय से चली आ रही परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, इस पहल का मकसद टैलेंट को सही गाइडेंस, मजबूत रिप्रेजेंटेशन और ऐसा क्रिएटिव माहौल देना है जहां कलाकार अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर सकें। अपने नए वेंचर के बारे में बात करते हुए एकता कपूर ने कहा कि टैलेंट तभी निखरता है जब उसे सही माहौल और प्रोत्साहन मिले। उनके मुताबिक, हुनर के जरिए हम एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना चाहते हैं जहां कलाकारों को सिर्फ रिप्रेजेंट ही न किया जाए, बल्कि उन्हें समझा भी जाए। हमारा लक्ष्य उन्हें सही गाइडेंस देना, उनकी खूबियों के अनुसार मौके तलाशना और उनके लंबे समय के विकास में साथ देना है। उन्होंने आगे कहा कि यह एक ऐसा सफर बनाने की कोशिश है जिसमें कलाकार एक्सपेरिमेंट कर सकें और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सकें। इस नए प्रोजेक्ट के जश्न के लिए मुंबई के प्रतिष्ठित होटल में एक खास हुनर लॉन्च पार्टी आयोजित की जाएगी। इस ग्लैमरस इवेंट में बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री के कई बड़े सितारे, क्रिएटर्स, इंडस्ट्री लीडर्स और मीडिया से जुड़े लोग शामिल होंगे। एकता कपूर लंबे समय से इंडस्ट्री में नए टैलेंट को लॉन्च करने और उन्हें स्टार बनाने के लिए जानी जाती हैं। टेलीविजन और फिल्मों में उन्होंने कई बड़े चेहरों को मौका दिया है। अब हुनर के जरिए उनका यही विजन और बड़ा होने जा रहा है। इस नई पहल के साथ बालाजी टेलीफिल्म्स एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी पकड़ को और मजबूत करने के साथ-साथ कलाकारों के लिए एक ऐसा मंच तैयार कर रहा है जहां वे सीख सकें, जुड़ सकें और अपनी पहचान बना सकें।

प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कैंची धाम पहुंचे विशाल मिश्रा

नीम करौली बाबा के किए दर्शन

मशहूर गायक विशाल मिश्रा हाल ही में उत्तराखंड के नैनीताल जिले में स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कैंची धाम पहुंचे। यहां उन्होंने महान संत नीम करौली बाबा के दर्शन किए और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। आध्यात्मिक माहौल और शांत वातावरण के बीच विशाल मिश्रा ने मंदिर परिसर में ध्यान भी लगाया और कुछ समय एकांत में बिताया। कैंची धाम

पहुंचने के बाद विशाल मिश्रा ने अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया-यहां तक आने में उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई। उत्तराखंड सरकार और स्थानीय प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं के लिए काफी अच्छी व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे लोगों को सुविधा मिलती है। इस दौरान उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के किए जा रहे कामों की तारीफ की और बताया कि सरकार और प्रशासन मिलकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। मंदिर में मौजूद पुलिसकर्मियों के व्यवहार को लेकर भी विशाल मिश्रा ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यहां तैनात पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं, जिससे लोगों को सुरक्षित और सहज माहौल मिलता है। पुलिसकर्मियों का उत्साह बढ़ाने के लिए विशाल मिश्रा ने मशहूर देशभक्ति गीत संदेशे आते हैं की कुछ पंक्तियां गाकर माहौल को और भी खास बना दिया। उनके इस अंदाज से वहां मौजूद लोग काफी खुश नजर आए। विशाल मिश्रा ने नैनीताल की खूबसूरत वादियों और कैंची धाम के आध्यात्मिक वातावरण की भी जमकर तारीफ की।

कुंभ मेले की वायरल गर्ल डवदंसपें अचानक पहुंची थाने

वजह जानकर हो जाएंगे हैरान

महाकुंभ मेले में अपनी नीली-भूरी आंखों की वजह से रातों-रात सोशल मीडिया सेंसेशन बनी मोनालिसा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। लेकिन इस बार वजह उनकी लोकप्रियता नहीं, बल्कि उनका निजी जीवन और सुरक्षा है। हाल ही में मोनालिसा अचानक केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के तम्पानूर पुलिस स्टेशन पहुंचीं और पुलिस से अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई। इस दौरान उनके साथ उनके प्रेमी फरमान भी मौजूद थे। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर उनकी चर्चा फिर तेज हो गई है। प्रेमी के साथ पहुंचीं पुलिस स्टेशन बताया जा रहा है कि मोनालिसा और फरमान पिछले करीब डेढ़ साल से रिश्ते में हैं। दोनों की मुलाकात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के जरिए हुई थी और धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। हालांकि, दोनों का रिश्ता अब विवादों में आ गया है। वजह है कि दोनों अलग-अलग धर्म से ताल्लुक रखते हैं। इसी कारण मोनालिसा के परिवार ने इस रिश्ते का कड़ा विरोध किया है। परिवार के विरोध से परेशान होकर उठाया कदम मोनालिसा का आरोप है कि उनके पिता जय सिंह भोसले इस रिश्ते के सख्त खिलाफ हैं। परिवार की ओर से उन पर लगातार इस संबंध को खत्म करने का दबाव बनाया जा रहा था। मोनालिसा ने यह भी कहा कि उन्हें धमकियां मिल रही थीं, जिसके चलते उन्हें घर छोड़ना पड़ा। अपनी सुरक्षा को लेकर डर महसूस होने पर उन्होंने पुलिस की मदद लेने का फैसला किया

और सीधे तम्पानूर पुलिस स्टेशन पहुंच गईं। पुलिस ने दस्तावेज जांचकर लिया फैसला जब पुलिस ने उनसे पूछा कि वे अपने राज्य से इतनी दूर केरल क्यों आए हैं, तो मोनालिसा और फरमान ने बताया कि यहां उन्हें लगा कि वे सामाजिक और पारिवारिक दबाव से दूर सुरक्षित रह पाएंगे। पुलिस ने दोनों से पूछताछ की और मोनालिसा के दस्तावेजों की जांच की। जांच में पुष्टि हुई कि वह बालिग हैं। इसके बाद पुलिस ने उनके पिता को भी थाने बुलाया और दोनों पक्षों की बात सुनी। कानून के अनुसार बालिग होने के कारण पुलिस ने मोनालिसा को अपनी इच्छा के अनुसार जीवन जीने की अनुमति दे दी और उन्हें फरमान के साथ जाने दिया। साथ ही स्थानीय प्रशासन को भी जानकारी दे दी गई ताकि इस जोड़े की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। महाकुंभ में वायरल वीडियो से बदली किस्मत मोनालिसा पहली बार तब चर्चा में आई थीं जब 2025 में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले के दौरान उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। उस वीडियो में वह अपने परिवार के साथ रुद्राक्ष और माला बेचती हुई दिखाई दी थीं। उनकी अनोखी आंखों और सादगी ने लोगों का ध्यान खींच लिया और देखते ही देखते वह इंटरनेट पर वायरल हो गईं। फिल्म और मॉडलिंग के ऑफर भी मिलने लगे सोशल मीडिया पर लोकप्रियता मिलने के बाद मोनालिसा को कई इंटरव्यू, मॉडलिंग और ब्रांड प्रमोशन के ऑफर मिलने लगे। बाद में उन्हें हिंदी फिल्म द डायरी ऑफ मणिपुर में काम करने का मौका भी मिला। इस फिल्म का निर्देशन सनोज मिश्रा कर रहे हैं। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले की रहने वाली मोनालिसा फिलहाल सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं और मनोरंजन तथा मॉडलिंग से जुड़े कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। हालांकि अब पारिवारिक विवाद और सुरक्षा का मुद्दा उनकी जिंदगी में नया मोड़ लेकर आया है, जिसकी वजह से वह एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं।

राजकुमार राव-कीर्ति सुरेश की रफ्तार की रिलीज डेट तय

24 जुलाई 2026 को आएगी फिल्म

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने आज घोषणा कर दी है कि उनकी फिल्म रफ्तार 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। आदित्य निंबालकर के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को कांपा फिल्म के बैनर तले पत्रलेखा ने प्रोड्यूस किया

है। फिल्म के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर तरुण बाली हैं और इसकी कहानी व स्क्रीनप्ले रोहन नरूला ने लिखा है। फिल्म में राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश लीड रोल्स में हैं, और उनके साथ अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तान्या मानिकतला और रजत कपूर जैसे टैलेंटेड एक्टर्स भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। रफ्तार की कहानी एक ऐसी दुनिया पर आधारित है जहाँ बड़े सपने साम्राज्य खड़े करते हैं, और कामयाबी की एक भारी कीमत चुकानी पड़ती है। इसकी कहानी एक तेजी से आगे बढ़ते स्टार्टअप और एक जुनूनी आदमी व उतनी ही महत्वाकांक्षी महिला के बीच के उतार-चढ़ाव वाले रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। जैसे-जैसे पैसा, पावर और लालच बढ़ता है, उनकी जीतने की भूख प्यार के आड़े आने लगती है। कामयाबी का यह सफर जितना रोमांचक है, गिरने के बाद सवाल उतना ही सीधा है, क्या वे लड़कर फिर से टॉप पर पहुंच पाएंगे, या फिर यहीं सब खत्म हो जाएगा? ध्अमेजन एमजीएम स्टूडियोज की रफ्तार, 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा ने पलटा गेम, द 50 से बाहर हुआ ये प्रतियोगी; शो में जमकर हुआ हंगामा

इन दिनों रियलिटी शो द 50 में खूब हंगामा हो रहा है। हाल ही में टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा ने पूरा गेम ही पलट कर रख दिया। जानिए, कृष्णा ने ऐसा क्या किया? शो द 50 का हाल ही में एक प्रोमो रिलीज हुआ। यह शो अपने फिनाले की तरफ बढ़ रहा है। अब प्रतियोगी शो में बने रहने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। इस शो में बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ भी बतौर प्रतियोगी नजर आ रही हैं। हालिया प्रोमा में वह एक प्रतियोगी और अपनी टीम मेंबर से लड़ती-झगड़ती दिखीं कृष्णा ने पूरा गेम ही बदल दिया कृष्णा श्रॉफ ने अपनी ही टीम मेंबर आरुषि को शो से बाहर करने के लिए हामी भरी। यह बात आरुषि को बुरी लगी, उसने कृष्णा से सवाल-जवाब किया। इस दौरान कृष्णा ने कहा कि उनकी प्रायोरिटी सिर्फ द 50 शो है, ना कि कोई प्रतियोगी। इस तरह से कहीं ना कहीं कृष्णा ने अपने ही टीम मेंबर को शो में बने रहने के लिए धोखा दिया। ये प्रतियोगी हुए शो से बाहर आरुषि को वोट आउट करने से पहले ही कई प्रतियोगी दो दिन पहले ही शो से बाहर हो चुके थे। इस लिस्ट में डांसर सपना चौधरी और इंफ्लुएंसर मनीषा रानी शामिल हैं। सपना चौधरी इस शो के कारण काफी चर्चा में आईं, उनके बाकी प्रतियोगियों से काफी झगड़े भी हुए। कौन बनेगा शो का विनर? द 50 शो में विनर बनने की दौड़ में शिव ठाकरे आगे दिख रहे हैं। इनके अलावा प्रिंस नरूला का नाम भी विनर के तौर पर सामने आ रहा है। दर्शक इन दोनों को काफी पसंद कर रहे हैं। द 50 शो की बात करें तो इसमें लगभग 50 प्रतियोगी शामिल हुए थे। जिसमें कुछ एक्टर, इंफ्लुएंसर, स्पोर्ट्स पर्सन थे। अब तक कई लोग शो से बाहर हो चुके हैं। यह रियलिटी शो जीयो हॉटस्टार पर और कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट होता है।

ट्रंप का दावा- ईरान के सभी सैन्य ठिकाने तबाह

होर्मुज को लेकर भी दी चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खार्ग द्वीप पर बड़े पैमाने पर बमबारी कर सभी सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया। ट्रंप के अनुसार हमले में तेल ढांचे को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया गया। साथ ही उन्होंने होर्मुज पर भी चेतावनी दी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के एक अहम ठिकाने पर बड़ा हवाई हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खार्ग द्वीप पर बड़े पैमाने पर बमबारी कर वहां मौजूद सभी सैन्य ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। ट्रंप के अनुसार यह हमला अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से किया गया और इसका उद्देश्य ईरान से पैदा हो रहे खतरे को खत्म करना था। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह हमला मध्य पूर्व के इतिहास के सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप पर मौजूद सभी सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया और उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने जानबूझकर द्वीप के तेल ढांचे को निशाना नहीं बनाया, ताकि ऊर्जा आपूर्ति पर असर न पड़े। खार्ग द्वीप क्यों है इतना अहम? खार्ग द्वीप ईरान के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यह फारस की खाड़ी में स्थित एक बड़ा तेल निर्यात केंद्र है। यहां से ईरान का बड़ा हिस्सा तेल दुनिया के अलग-अलग देशों को भेजा जाता है। यही कारण है कि इस द्वीप को ईरान की ऊर्जा व्यवस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। ट्रंप ने तेल ढांचे को क्यों नहीं निशाना बनाया? राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना के पास इतनी ताकत है कि वह द्वीप के पूरे तेल ढांचे को भी नष्ट कर सकती थी। लेकिन उन्होंने ऐसा न करने का फैसला लिया। ट्रंप के अनुसार यह फैसला वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित होने से बचाने और मानवीय कारणों को ध्यान में रखते हुए लिया गया। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ट्रंप ने क्या चेतावनी दी? ट्रंप ने साफ कहा कि यदि ईरान या कोई अन्य देश होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षित आवाजाही में बाधा डालता है तो अमेरिका अपना फैसला बदल सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में अमेरिका द्वीप के तेल ढांचे को भी निशाना बनाने पर विचार करेगा। अमेरिकी सेना की ताकत पर क्या बोले ट्रंप? राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उनके पहले कार्यकाल से लेकर अब तक उन्होंने अमेरिकी सेना को दुनिया की सबसे शक्तिशाली और घातक सैन्य ताकत बना दिया है। उनका कहना है कि ईरान के पास अमेरिका के हमलों का सामना करने की क्षमता नहीं है। ईरान को क्या संदेश दिया गया? ट्रंप ने कहा कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकेगा। उन्होंने ईरानी सेना और उससे जुड़े समूहों से हथियार डालने की अपील भी की।

ट्रंप समर्थक लॉरा लूमर ने मांगी माफी, भारत विरोधी टिप्पणियों पर रखी अपनी बात

नईदिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की राजनीतिक कार्यकर्ता और कट्टर ट्रंप समर्थक लॉरा लूमर ने पूर्व में भारत और

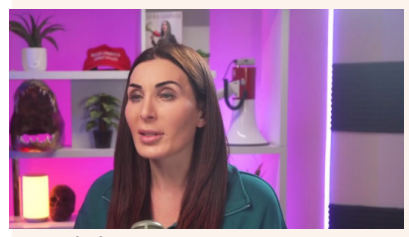

भारतीयों के लिए की गई अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी है। लॉरा ने कहा कि उनके दिल में भारत के लिए नफरत नहीं है और उन्होंने जो भी कहा, वह अपने देश और देशवासियों के प्रति प्यार के चलते कहा। अमेरिका की राजनीतिक कार्यकर्ता और राष्ट्रपति ट्रंप की कट्टर समर्थक लॉरा लूमर ने अपनी भारत विरोधी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी है। लॉरा लूमर ने सोशल मीडिया पर कई भारत विरोधी बातें लिखीं थी, जिनमें से कुछ नस्लभेदी और बेहद आपत्तिजनक थीं। अब लॉरा लूमर ने अपने उन बयानों के लिए माफी मांगी है। लॉरा लूमर के भारत दौरे को लेकर कई यूजर्स ने जताई थी नाराजगी लॉरा लूमर ने अपने कई सोशल मीडिया पोस्ट में भारत और भारतीयों के खिलाफ टिप्पणी की। साथ ही अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के खिलाफ भी बातें लिखीं। जब लॉरा लूमर ने एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए भारत आने की घोषणा की तो कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर नाराजगी जाहिर की और लॉरा लूमर की पिछली पोस्ट्स को लेकर कड़ी आपत्ति जताई। इंडिया टुडे के कार्यक्रम में जब लॉरा लूमर से उनकी टिप्पणियों को लेकर सवाल किया गया और उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें अपनी टिप्पणियों पर पछतावा है तो इसके जवाब में लूमर ने कहा कि उनकी कई टिप्पणियां गलत थीं और उन्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए था। हालांकि एच1बी वीजा को लेकर की गई टिप्पणी के लिए लॉरा लूमर ने माफी मांगने से इनकार कर दिया। 'एच1बी वीजा का विरोध करती रहूंगी' लॉरा ने कहा, 'मैं एच1बी वीजा के विरोध के लिए माफी नहीं मांगूंगी क्योंकि अमेरिका के हितों के लिए खड़े होना मेरा काम है। हमारे अप्रवासन और श्रम कानूनों का गलत फायदा उठाया गया। मैं अमेरिकी कामगारों के हितों के लिए संघर्ष करती रहूंगी।' लॉरा ने कहा कि मेरे दिल में भारत या हिंदुओं के प्रति कोई नफरत नहीं है। मैं खुद हिंदुओं के अधिकारों की समर्थक हूं और हिंदुओं के खिलाफ हुए अत्याचारों के लिए अपनी आवाज उठाती रही हूं।

क्या ईरान में और बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहे ट्रंप?

जानें क्यों अमेरिका ने रवाना किए B-2 स्टेल्थ बॉम्बर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई और तेज कर दी है। अमेरिकी सेना ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स को मिशन पर भेजा है। इन विमानों का लक्ष्य ईरान से जुड़े खतरों को खत्म करना और भविष्य में उसकी सैन्य क्षमता को फिर से खड़ा होने से रोकना बताया गया है। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई क्षेत्र की सुरक्षा और अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए की जा रही है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड यानी सेंटकॉम ने बताया कि बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स ने लंबी दूरी की मारक क्षमता के साथ मिशन शुरू किया है। सेंटकॉम के अनुसार इस अभियान का मकसद ईरानी शासन से जुड़े उन ठिकानों को निशाना बनाना है जिन्हें संभावित खतरा माना जा रहा है। बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर दुनिया के सबसे आधुनिक बमवर्षक विमानों में गिना जाता है और यह दुश्मन के रडार से बचकर हमला करने में सक्षम है। ऑपरेशन एपिक फ्यूरी क्या है? अमेरिका के नेतृत्व में चल रहा ऑपरेशन एपिक फ्यूरी ईरान से जुड़े सैन्य ढांचे को कमजोर करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के अनुसार इस अभियान का लक्ष्य ऐसे ठिकानों को खत्म करना है जो क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए तत्काल खतरा पैदा कर सकते हैं। इस अभियान में कई तरह के सैन्य संसाधनों का इस्तेमाल किया जा रहा है और लंबी दूरी से हमले किए जा रहे हैं। इराक में अमेरिकी विमान दुर्घटना में क्या हुआ? इसी अभियान के दौरान 12 मार्च को इराक के पश्चिमी हिस्से में एक

अमेरिकी केसी-135 रिफ्यूलिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सेंटकॉम ने पुष्टि की कि विमान में सवार सभी छह सैनिकों की मौत हो गई। यह विमान ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के समर्थन में उड़ान भर रहा था। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि हादसा उस समय हुआ जब विमान मित्र देश के हवाई क्षेत्र में उड़ रहा था। क्या विमान को किसी हमले में गिराया गया था? अमेरिकी सेना का कहना है कि विमान दुर्घटना किसी दुश्मन के हमले या दोस्ताना गोलीबारी की वजह से नहीं हुई। अधिकारियों के अनुसार घटना के कारणों की जांच की जा रही है। विमान के गिरने के समय दो विमान अभियान में शामिल थे। इनमें से एक विमान पश्चिमी इराक में गिर गया जबकि दूसरा सुरक्षित लैंड करने में सफल रहा। ईरान की ओर से क्या दावा किया गया? ईरान के सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि अमेरिकी रिफ्यूलिंग विमान को पश्चिमी इराक में प्रतिरोधी समूहों की ओर से दागी गई मिसाइल से गिराया गया। ईरान से जुड़े सूत्रों ने कहा कि विमान उस समय एक लड़ाकू विमान को ईंधन दे रहा था। हालांकि अमेरिका ने इन दावों को स्वीकार नहीं किया है और कहा है कि हादसे की वजह तकनीकी या अन्य कारण हो सकते हैं। सैनिकों की पहचान अभी सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? अमेरिकी सेना ने कहा है कि हादसे में मारे गए सैनिकों के नाम फिलहाल सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे। सेना की नीति के अनुसार पहले उनके परिवारों को आधिकारिक सूचना दी जाती है। इसके बाद ही नाम जारी किए जाते हैं। अधिकारियों ने कहा कि सभी सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जा रही है और घटना की पूरी जांच जारी है।

चार साल के बच्चे की मौत, पिता गंभीर रूप से घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर के नोनी जिले में शनिवार सुबह हुए बम विस्फोट में एक चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। मणिपुर के नोनी जिले में शनिवार सुबह हुए बम विस्फोट में एक चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना जिले के ताओलिंगपुंग गांव में सामने आई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार घटना सुबह करीब 8:30 बजे नामकाओलोंग पार्ट-2 इलाके में यह हादसा उस समय हुआ,

जब बच्चों के हाथ लगा एक संदिग्ध विस्फोटक अचानक फट गया। बताया जा रहा है कि बच्चे उसे घर लेकर आए थे और पिता उसे सुरक्षित तरीके से नष्ट करने की कोशिश कर रहे थे। मृतक बच्चे की पहचान कलाइंगामपौ पामेई (4) के रूप में हुई है। उसके पिता थुआनकुंगाम पामेई (40), विस्फोट में बुरी तरह घायल हो गए। बताया जाता है कि विस्फोटक को फेंकने या नष्ट करने के दौरान उनका पैर फिसल गया, जिससे धमाका हो गया। धमाका इतना तेज था कि पास खड़े बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिता के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं। घायल को तुरंत इंफाल स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। यह घटना खौपुम थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

वॉशिंगटन के चार बड़े एयरपोर्ट पर एक घंटे से ज्यादा समय तक बाधित रही हवाई सेवा, केमिकल जैसी गंध बना कारण

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में शुक्रवार शाम वॉशिंगटन डीसी क्षेत्र के चार बड़े एयरपोर्ट पर अचानक उड़ानें रोकनी पड़ीं। एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर में तेज केमिकल जैसी गंध फैलने से वहां काम कर रहे कर्मचारियों को परेशानी होने लगी। सुरक्षा के मद्देनजर अधिकारियों ने कई फ्लाइट्स को अस्थायी रूप से रोक दिया, जिससे करीब एक घंटे तक हवाई सेवा प्रभावित रही। अमेरिका में शुक्रवार शाम एक अजीब घटना के कारण वॉशिंगटन डीसी और आसपास के चार बड़े हवाई अड्डों पर उड़ानें कुछ समय के लिए रोक दी गईं। बताया गया कि एअर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर में केमिकल की तेज गंध फैलने लगी थी, जिससे वहां काम कर रहे कर्मचारियों को परेशानी हो रही थी। इस वजह से लगभग एक घंटे से ज्यादा समय तक कई उड़ानों को रोका गया और कई फ्लाइट्स को और ज्यादा देरी का सामना करना पड़ा। बता दें कि इस घटना के चलते वॉशिंगटन के रोनाल्ड रीगन वाशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट, वाशिंगटन डलेस इंटरनेशनल एयरपोर्ट, बाल्टीमोर-वाशिंगटन इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रिचमंड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर असर पड़ा। जहां की विमान सेवा एक घंटे तक बाधित रहीं। इन चारों एयरपोर्ट से आने-जाने वाली फ्लाइट्स को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। अब समझिए था पूरा मामला? अमेरिका के परिवहन विभाग के अधिकारी शॉन डफी ने सोशल मीडिया पर बताया कि यह गंध पोटोमैक नाम के एयर ट्रैफिक कंट्रोल सेंटर से आ रही थी।

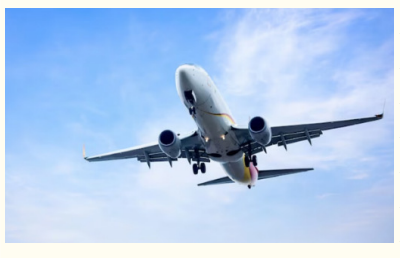

भविष्य के युद्ध के लिए भारत की नई रणनीति, जानें रासायनिक-परमाणु हमलों से कैसे निपटेगा देश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रक्षा बल विजन-2047 दस्तावेज में रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु खतरों से निपटने के लिए आधुनिक सुरक्षा प्रणाली का खाका पेश किया गया है। इसका उद्देश्य भविष्य के युद्ध में तेजी से प्रतिक्रिया देना और सैनिकों व नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। बदलते वैश्विक हालात और भविष्य के युद्ध के खतरों को देखते हुए भारत ने सुरक्षा रणनीति को और मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। रक्षा बल विजन-2047 दस्तावेज में रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु यानी सीबीआरएन खतरों को गंभीर चुनौती बताया गया है। इस दस्तावेज में ऐसे हमलों से बचाव के लिए आधुनिक और एकीकृत सुरक्षा प्रणाली तैयार करने का खाका पेश किया गया है। इसका उद्देश्य भविष्य में किसी भी बड़े हमले की स्थिति में सेना और सुरक्षा एजेंसियों की प्रतिक्रिया को तेज और प्रभावी बनाना है। वजन दस्तावेज के अनुसार अब युद्ध केवल पारंपरिक हथियारों तक सीमित नहीं रह गया है। आधुनिक समय में सामूहिक विनाश के हथियारों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। खासकर जैविक खतरों को बड़ी चुनौती माना गया है क्योंकि ये अक्सर अदृश्य तरीके से फैलते हैं और इन्हें पहचानना मुश्किल होता है। इसलिए इन खतरों की पहचान, रोकथाम और त्वरित प्रतिक्रिया के लिए नई तकनीकों और व्यवस्थाओं

को विकसित करने की जरूरत बताई गई है। सीबीआरएन खतरों से निपटने के लिए मौजूदा व्यवस्था क्या है? इस समय सेना के पास कोर ऑफ इंजीनियर्स के तहत विशेष दस्ता है जो रासायनिक और जैविक खतरों से निपटने का काम करता है। इसके अलावा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल यानी एनडीआरएफ की टीमें नागरिक सुरक्षा के लिए तैनात रहती हैं। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन यानी डीआरडीओ भी इन खतरों से बचाव के लिए नई तकनीक और उपकरण विकसित कर रहा है। आधुनिक उपकरणों की क्या भूमिका होगी? पिछले वर्ष सेना ने 223 ऑटोमैटिक केमिकल एजेंट डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम खरीदे हैं। यह सिस्टम वास्तविक समय में खतरनाक रसायनों का पता लगाने में सक्षम है। इसके अलावा स्वदेशी मोबाइल डिकंटेमिनेशन सिस्टम भी तैयार किए गए हैं। इन उपकरणों का इस्तेमाल किसी रासायनिक या जैविक हमले के बाद प्रभावित इलाके को सुरक्षित बनाने के लिए किया जाएगा। एकीकृत सुरक्षा प्रणाली क्यों जरूरी मानी गई है? रक्षा बल विजन-2047 का मुख्य उद्देश्य अलग-अलग एजेंसियों के बीच समन्वय को बेहतर बनाना है। फिलहाल कई एजेंसियां अलग-अलग उपकरण और प्रक्रियाओं के साथ काम करती हैं। इससे संकट के समय प्रतिक्रिया में देरी हो सकती है। नई योजना के तहत एकीकृत सुरक्षा प्रणाली तैयार की जाएगी ताकि हमले की स्थिति में सभी एजेंसियां मिलकर तेजी से कार्रवाई कर सकें। सुरक्षा उपकरणों और प्रशिक्षण में क्या बदलाव होंगे? नई नीति के तहत तीनों सेनाओं के लिए सुरक्षा उपकरणों की खरीद को मानकीकृत किया जाएगा। यानी एक ही तकनीकी मानकों वाले उपकरण खरीदे जाएंगे। इसके साथ ही प्रशिक्षण प्रक्रिया को भी एक समान बनाया जाएगा। इससे हमले की स्थिति में हर यूनिट की प्रतिक्रिया सटीक और समन्वित होगी।

जेडी वेंस का दावा- ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिका का सैन्य अभियान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत सैन्य कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने बताया कि यह कदम राष्ट्रपति ट्रंप की नीति के तहत उठाया गया है। वहीं ट्रंप ने दावा किया कि हमलों से ईरान की सैन्य क्षमता को गंभीर नुकसान पहुंचा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका एक सैन्य अभियान चला रहा है, जिसे आधिकारिक तौर पर 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के नाम से जाना जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। उन्होंने अमेरिकी नागरिकों से विदेशों में तैनात सैनिकों के लिए प्रार्थना करने का भी आग्रह किया। रॉकी माउंट में एक संबोधन के दौरान जेडी वेंस ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार विकसित

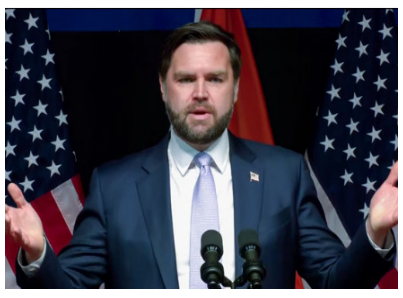

करने से रोकना है। उन्होंने दोहराया कि यह राष्ट्रपति की कही हुई बात है कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईरान पर हमले की बताई वेंस ने वजह वेंस ने यह भी कहा कि पिछले अमेरिकी राष्ट्रपतियों ने भी इसी तरह की चिंताएं व्यक्त की थीं, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान को परमाणु हथियार प्राप्त करने से रोकने के लिए ठोस कदम उठाए थे। उन्होंने इस सिद्धांत को सरल और सीधा बताते हुए कहा कि हर राष्ट्रपति ने इस पर विश्वास व्यक्त किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। अमेरिकी सैनिकों के लिए प्रार्थना का आग्रह जेडी वेंस ने विदेशों में तैनात अमेरिकी सैनिकों के जोखिमों को भी स्वीकार किया और लोगों से प्रार्थना करने का आग्रह किया।

'पहले रोका और अब पूरी दुनिया से रूस से तेल खरीदने की भीख मांग रहा अमेरिका'

ईरानी विदेश मंत्री का तंज

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका पर तंज कसा है और कहा है कि जो अमेरिका पहले, भारत समेत दुनियाभर के देशों को रूस से कच्चा तेल न खरीदने का दबाव बना रहा था, अब वही अमेरिका दुनियाभर के देशों से रूस से कच्चा तेल खरीदने की गुहार लगा रहा है। ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने शनिवार को रूसी तेल पर अमेरिका के रुख की आलोचना करते हुए दावा किया कि वाशिंगटन अब दुनिया भर के देशों से, जिसमें भारत भी शामिल है, रूसी कच्चा तेल खरीदने की गुहार लगा रहा है, जबकि पहले उसने रूस से तेल न खरीदने का दबाव डाला था। एक्स पर साझा एक पोस्ट में, अराघची ने कहा, 'अमेरिका ने भारत को रूस से तेल आयात बंद करने के लिए धमकाने में महीनों बिताए। ईरान के साथ दो हफ्ते के युद्ध के बाद, व्हाइट हाउस अब दुनिया से, जिसमें भारत भी शामिल है, रूसी कच्चा तेल खरीदने की भीख मांग रहा है।' ईरानी विदेश मंत्री ने यूरोपीय देशों की आलोचना की ईरानी विदेश मंत्री ने यूरोपीय देशों की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि यूरोपीय देश बदले में रूस के खिलाफ अमेरिकी समर्थन की उम्मीद कर रहे हैं। अराघची ने कहा, 'यूरोप ने सोचा था कि ईरान पर अवैध युद्ध का समर्थन करने से उन्हें रूस के खिलाफ अमेरिकी समर्थन मिल जाएगा। यह बहुत ही दयनीय है।' इस बीच, रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ईरान ने भारत के झंडे वाले दो लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (छढक्र) वाहक जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सऊदी अरब का तेल ले जा रहा एक कच्चा तेल टैंकर शनिवार को भारत पहुंचने की उम्मीद है, जो 1 मार्च के आसपास होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरा था। ईरान ने भारत के जहाजों को होर्मुज से निकलने की दी अनुमति इससे पहले, भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फथाली ने पुष्टि की थी कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य से भारत जाने वाले जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करेगा। इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या ईरान भारत जाने वाले जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजरने की अनुमति देगा?

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।